MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

किसी भी व्यक्ति की सहनशीलता एक खिंचे हुए धागे की तरह होती है, एक सीमा से अधिक खिंचे जाने पर उसका टूटना तय है।

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-51 ❖ मुंबई ❖ रविवार 12 से 18 दिसंबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
सिखों के खिलाफ टिप्पणी-एफआईआर रद्द करने की मांग लेकर हाईकोर्ट पहुंची कंगना रनौत

पेज 5
जामनगर में ओमिक्रॉन के दो नए मामले सामने आए, जिम्बाब्वे से आए व्यक्ति के संपर्क में आई पत्नी और साला भी संक्रमित

पेज 7
कृति सेनन बनीं अमिताभ बच्चन की किराएदार

पेज 8
पंजाब विधानसभा चुनाव 2022-आम आदमी पार्टी ने 30 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

हेलीकॉप्टर हादसाः दुखद घटना पर भी दिखे चीन के नापाक मंसूबे, एयरफोर्स ने ट्वीट कर सब्र रखने के लिए कहा

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कन्नूर में भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर क्रैश में बुधवार को भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत 13 लोगों की मौत पर चीनी मीडिया ने तंज कसा है। आपको बता दे हाल ही में जनरल रावत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर जारी तनाव को लेकर कहा था कि भारत के लिए असली खतरा चीन है न कि पाकिस्तान। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) बिपिन रावत की शख्सियत का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि विदेश से भी उनकी मृत्यु पर शोक संदेश आ रहे हैं। लेकिन ड्रैगन अभी भी शांत नहीं बैठ पा रहा है, चीन में सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की जबान मानेजाने वाला अखबार ग्लोबल टाइम्स भारत पर तंज कस रहा है। ग्लोबल टाइम्स को चीनी सरकार का प्रॉपेगैंडा फैलाने वाले अखबार के रूप में भी जाना जाता है। ग्लोबल टाइम्स के इस बयान के बाद से भारत में इसकी जमकर आलोचना हो रही है। गुरुवार को एक लेख प्रकाशित करते हुए ग्लोबल टाइम्स ने चीनी विशेषज्ञों के हवाले कहा कि एक शीर्ष सैन्य अफसर का इस तरह से हेलिकॉप्टर क्रैश होना और उसके कारण चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की मौत होना न केवल भारत की सैन्य अनुशासनहीनता और युद्ध की तैयारियों की पोल खोलता है बल्कि भारत के सैन्य आधुनिकीकरण की हकीकत को भी दर्शाता है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि भारत में सैन्य आधुनिकीकरण अब भी ठहरा हुआ है और इसमें लंबा वक्त लगेगा।

ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है, 'विश्लेषकों का मानना है कि चीन विरोधी भारत के शीर्ष सेना अधिकारी की मौत के बाद भी चीन को लेकर भारत की आक्रामक छवि में कोई परिवर्तन नहीं आएगा। भारतीय मीडिया में हेलिकॉप्टर क्रैश करने की वजह खराब मौसम, गलत ऊंचाई और तकनीकी गड़बड़ी बताई जा रही है। इन सब कारणों को मान भी लिया जाए तो इनसे यही पता चलता है कि यह गड़बड़ी मानवीय है न कि रूस में बने हेलिकॉप्टर में कमी होने के कारण। Mi-17 सिरीज के हेलिकॉप्टर का इस्तेमाल दुनिया के कई देशों में होता है।"

मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर को जान से मारने की धमकी

मुंबई, महाराष्ट्र में मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर को नौ दिसंबर की शाम को उनके आवास पर एक पत्र में जान से मारने की धमकी मिली है। मेयर ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पत्र मराठी में लिखा गया था और उनके परिवार को भी जान से मारने की धमकी दी गई है। शुक्रवार को यह जानकारी महापौर कार्यालय ने दी। इससे पहले मुंबई में गत नवंबर में एक टेलीफोन काल से हड़कंप मच गया था। आनन-फानन में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई थी। हालांकि कालर से संपर्क किया गया और तब जाकर पता चला कि मानसिक तौर पर अस्वस्थ शख्स को इस तरह धमकी भरे फोन काल करने की आदत है। दरअसल, बांद्रा रेलवे पुलिस स्टेशन में विस्फोट से हमले को लेकर फोन आया, जिसकी जानकारी पुलिस कमिश्नर कैसर खालिद ने ट्वीट के जरिए दी। उन्होंने बताया कि कालर दुबई में अपनी मां के साथ रहता है और उसकी दिमागी हालत ठीक नहीं है। गौरतलब है कि मुंबई में 2008 में 26 नवंबर को हुए आतंकी हमले की तारीख करीब आने के साथ ही हर तरफ अलर्ट सा माहौल था। इस क्रम में विस्फोट की धमकी को लेकर पुलिस काफी गंभीर है।

महाराष्ट्र-फिलहाल नई पाबंदियां नहीं, जीनोम सीक्वेंसिंग लैब का विस्तार करेगी सरकार

मुंबई। कोरोना वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के बढ़ते खतरे के बीच राज्य सरकार फिलहाल प्रदेश में कोरोना की नई पाबंदियां नहीं लगाएगी। ओमिक्रॉन के चलते सरकार ने जीनोम सीक्वेंसिंग लैब का विस्तार करने का फैसला लिया है। नागपुर और औरंगाबाद में जीनोम सीक्वेंसिंग लैब का विस्तार किया जाएगा। मंत्रालय में बुधवार को प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने यह जानकारी दी। टोपे ने कहा कि फिलहाल राज्य में जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए तीन लैब हैं। ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के मद्देनजर नागपुर और औरंगाबाद में जीनोम सीक्वेंसिंग लैब स्थापित करने का फैसला लिया गया है। टोपे ने कहा कि राज्य में ओमिक्रॉन के 10 मरीज हैं। इन सभी की तबीयत ठीक है। वहीं जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए 65 नमूने भेजे गए हैं। टोपे ने कहा कि दुनियाभर में ओमिक्रॉन से ग्रसित मरीजों की मृत्यु दर कम है। इसलिए नागरिकों को ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है।

महाराष्ट्र में 17 हुए ओमीक्रॉन के मामले

मुंबई में 3 और पिंपरी चिंचवाड़ में 4 नए केस मिलने से हड़कंप

महाराष्ट्र में कोरोना के नए वेरिएंट के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं. राज्य में ओमीक्रॉन के 7 और नए मामले सामने आने से हड़कंप मच गया है. मुंबई से 3, पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम से 4 नए मामले सामने आए हैं. इसके बाद कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 17 हो गई है. यह जानकारी महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग की तरफ से दी गई है. इससे पहले मुंबई के धारावी इलाके में एक 47 साल का मौलाना नए वेरिएंट से संक्रमित पाया गया था. 4 दिसंबर को वह तंजानिया से वापस मुंबई लौटा था. अब राज्य में नए वेरिएंट से संक्रमित कुल मरीज 17 हो गए हैं. पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम से भी ओमीक्रॉन वायरस के 4 नए मामले सामने आए हैं. वहीं मुंबई में 3 नए केस दर्ज किए गए हैं. नए वेरिएंट के केस महाराष्ट्र में लगातार बढ़ते जा रहे हैं. स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट पर है. इसके साथ ही उन लोगों की भी पहचान की जा रही है, जो इन संक्रमित मरीजों के संपर्क में आए हैं. हैरानी की बात ये है कि कुछ संक्रमित कोरोना वैक्सीन लगवा चुके हैं, इसके बाद भी वह संक्रमण की चपेट में आ गए. लेकिन धारावी में नए वेरिएंट से संक्रमित मौलाना ने कोरोना वैक्सीन ली ही नहीं थी. वह फिलहाल मुंबई के सेवन हिल्स अस्पताल में भर्ती है.

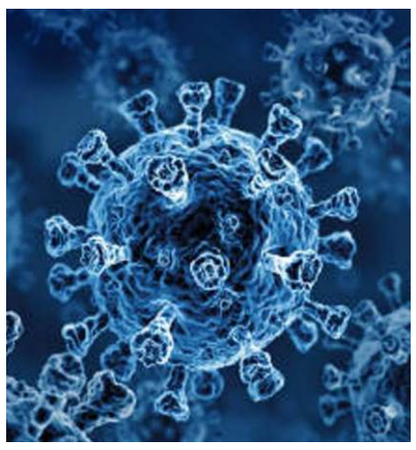

खड़ी होंगी मुश्किलेंः दूसरा टीका न लेने वालों को उपमुख्यमंत्री पवार ने चेताया

मुंबई। प्रदेश में कोरोनारोधी टीके के दोनों खुराक की अंतर की अवधि पूरी होने के बावजूद दूसरी डोज न लगवाने वालों के लिए कई तरह की मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने टीके की दूसरी डोज न लगवाने वालों को यह चेताया है।गुरुवार को उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अवधि पूरा होने के बावजूद राज्य में डेढ़ से पौने दो करोड़ लोगों ने टीके की दूसरी खुराक नहीं ली है। जबकि कोरोना का टीका भरपूर मात्रा में उपलब्ध है। ऐसे में सरकार ने प्रशासन को लोगों के अधूरे टीकाकरण को पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन को कहा गया है कि दूसरा टीका लगवाने के लिए लोगों को समझाया जाए कि यदि उन्होंने टीकाकरण पूरा नहीं किया तो उनकी गतिविधियों के लिए मुश्किल पैदा हो सकती है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ओमिक्रॉन के प्रसार और उसकी घातकता को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। इसलिए केंद्र सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन को इस बारे में दिशानिर्देश जारी करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ओमिक्रॉन के खतरे के मद्देनजर देश भर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर हवाई सेवाएं बंद करने का फैसला केंद्र सरकार को करना चाहिए। केंद्र सरकार को अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं पर रोक लगाने के लिए देशों को चिन्हित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार मुंबई में अंतरराष्ट्रीय हवाई उड़ानों पर रोक लगाने का निर्णय लेती है तो उससे कुछ फायदा नहीं होगा। क्योंकि विदेश से आने वाले कई लोग जिन राज्यों में पाबंदी नहीं है वहां पर उतरते हैं फिर वहां से घरेलू विमानों से मुंबई पहुंचे हैं।

नवाब मलिक ने वानखेड़े परिवार के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए हाई कोर्ट से माफी मांगी

मुंबई,राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने शुक्रवार को बंबई उच्च न्यायालय में एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े और उनके परिवार के बारे में सार्वजनिक टिप्पणी करने के आश्वासन के बावजूद बिना शर्त माफी मांगी कि वह ऐसा नहीं करेंगे। नवाब मलिक की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील अस्पी चिनाय ने मंत्री द्वारा एक हलफनामा पेश किया। इसमें उन्होंने अदालत के 29 नवंबर के आदेश का उल्लंघन करने के लिए माफी मांगी। नवाब मलिक ने हलफनामे में कहा कि अपने स्वयं के उपक्रम का उल्लंघन करके अदालत का अपमान करने का उनका इरादा नहीं था, लेकिन उन्होंने यह भी तर्क दिया कि उन्होंने एक साक्षात्कार के दौरान विचाराधीन टिप्पणियां कीं और वे सोशल मीडिया पोस्ट या सार्वजनिक टिप्पणियों का हिस्सा नहीं थे। हलफनामे में उन्होंने कहा कि मैं 25 नवंबर और 29 नवंबर को दिए गए उपक्रम के उल्लंघन के मामले में इस अदालत से बिना शर्त माफी मांगता हूं। मंत्री ने कहा कि जब तक उच्च न्यायालय समीर वानखेड़े के पिता ज्ञानदेव द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे पर सुनवाई नहीं करता, तब तक वह वानखेड़े परिवार के बारे में कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करेंगे। हलफनामे में कहा गया कि हालांकि, मुझे विश्वास है कि मेरा बयान मुझे केंद्रीय एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग और उनके अधिकारियों के आधिकारिक कर्तव्यों के प्रदर्शन के दौरान उनके आचरण पर टिप्पणी करने से नहीं रोकेगा। हाई कोर्ट ने मलिक की माफी स्वीकार कर ली है। ज्ञानदेव वानखेड़े के वकील, वरिष्ठ वकील बीरेंद्र सराफ द्वारा मलिक के बयान के बारे में उठाई गई आपत्ति पर भी ध्यान दिया कि वह अभी भी केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारियों के आचरण पर टिप्पणी कर सकते हैं।

फिर बिगड़ी मुंबई की हवा

301 AQI के साथ मझगांव ने गुणवत्ता में दिल्ली को भी पीछे छोड़ा

मुंबई, हवा की गुणवत्ता को लेकर अब मुंबई भी दिल्ली से अछूती नहीं रह रही है। बीते कुछ वर्ष में कई बार ऐसा हुआ है कि मुंबई के कुछ इलाकों में हवा की गुणवत्ता इतनी खराब रही है कि दिल्ली भी पीछे छूट गई है। ठंड के इस सीजन में यह दूसरी बार है, जब यहां की हवा की गुणवत्ता ने दिल्ली को पछाड़ दिया है। इस बार मझगांव की हवा इतनी दूषित हो गई है। पिछली बार कोलाबा की हवा दूषित थी। सिस्टम फॉर एयर क्वॉलिटी ऐंड वेदर फॉरकॉस्टिंग ऐंड रिसर्च (सफर) के आंकड़ों के अनुसार, गुरुवार को मझगांव की हवा 301 एक्यूआई के साथ बेहद खराब श्रेणी में रही, जबकि इस दौरान दिल्ली का एक्यूआई 293 था। गुरुवार को 273 एक्यूआई के साथ कोलाबा की हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में दर्ज की गई। डॉ. गुफरान बेग ने बताया कि मुंबई में समुद्र की वजह से हवा आम तौर पर साफ रहती है। लेकिन, हवा की गति कम या स्थिर रही है। सड़क और निर्माण गतिविधियों और वाहनों के धुएं की वजह से हवा खराब हुई है। समुद्री किनारे से सटे जैसे मझगांव और कोलाबा इलाके में एक्यूआई बढ़ रहा है। गुफरान के मुताबिक, मुंबई की खराब हुई हवा अस्थायी है, जो एक-दो दिन में ठीक हो जाएगी। हालांकि डॉक्टरों के अनुसार, ऐसे वातावरण में रहना लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। खासकर, उनके लिए जो किसी भी तरह की सांस संबंधी समस्या से परेशान हैं। 10 में से 7 स्टेशनों की हवा मध्यम वातावरण में प्रदूषण के स्तर को मापने के लिए सफर ने मुंबई और आस-पास के इलाकों में 10 जगहों पर मॉनिटरिंग सिस्टम लगाए हैं। इनमें से 7 स्टेशनों की हवा की गुणवत्ता मध्यम खराब श्रेणी में रही। समूची मुंबई की बात करें, तो गुरुवार को 169 एक्यूआई के साथ यहां की हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही।

जनरल बिपिन रावत की मौत पर संजय राउत का सवाल

बोले-लोगों के मन में है संदेह?

मुंबई, देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु के एक दिन बाद शिवसेना के नेता संजय राउत ने बृहस्पतिवार को कहा कि हेलीकॉप्टर दुर्घटना में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की मौत लोगों के मन में संदेह पैदा करती है।

राज्यसभा सदस्य राउत ने कहा कि जनरल रावत ने हाल के दिनों में चीन और पाकिस्तान के खिलाफ देश की सैन्य प्रतिक्रिया तैयार करने में अहम भूमिका निभाई थी। संजय राउत ने पूछा, 'इसलिए, जब ऐसी दुर्घटना होती है तो लोगों के मन में संदेह पैदा होता है।'

राउत ने कहा कि जनरल रावत को ले जाने वाला हेलीकॉप्टर दो इंजनों द्वारा संचालित एक आधुनिक हेलीकॉप्टर था। उन्होंने पूछा, 'हम सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण का दावा करते हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है?'

'रक्षा मंत्री या प्रधानमंत्री को सभी संदेह को दूर करना चाहिए'

राउत ने दावा किया कि इस दुर्घटना से पूरा देश और नेतृत्व भ्रमित हो सकता है, और रक्षा मंत्री या प्रधानमंत्री को सभी संदेह को दूर करना चाहिए। शिवसेना नेता ने यह भी कहा कि जनरल रावत ने पुलवामा हमले के बाद भारत द्वारा किए गए हवाई हमलों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

बिपिन रावत समेत 11 कर्मियों की हुई थी मौत

भारत के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधुलिका और सशस्त्र बलों के 11 अन्य कर्मियों की बुधवार को तमिलनाडु में कुन्नूर के निकट सैन्य हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मौत हो गई थी।

अलविदा जनरल

पूरा देश दे रहा सीडीएस रावत को श्रद्धांजलि

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत की बुधवार को एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में हुई असामयिक मौत ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। उनकी अगुआई में सेना एक साथ दो सरहदों पर तनाव से उपजी असाधारण चुनौतियों का बड़ी कुशलता से सामना कर रही थी। देश के पहले सीडीएस के रूप में उन्होंने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और एकीकरण (थिएटराइजेशन) की भी प्रक्रिया शुरू करवाई। हालांकि ये दोनों कार्य आसान नहीं थे, इनमें कई सारी जटिलताएं थीं। इसलिए ये प्रक्रिया तेजी से नहीं आगे बढ़ पा रही थी, लेकिन अपनी प्रकृति के अनुरूप जनरल रावत एक-एक कर के सभी मुश्किलें दूर करने में लगे हुए थे।

उन्होंने ठान रखा था कि बतौर सीडीएस कार्यकाल पूरा होने तक इन दोनों प्रक्रियाओं को एक मुकाम तक जरूर पहुंचा देंगे। जनरल रावत अप्रिय होने का जोखिम उठाकर भी कड़े फैसले लेने के लिए जाने जाते थे। वह खुलकर अपनी बात रखने में यकीन रखते थे। इस वजह से उनके कुछ बयानों को लेकर जब-तब विवाद भी होते रहे। उदाहरण के लिए सीएए विरोधी आंदोलन के दौरान दिए गए उनके बयान को न केवल अनावश्यक बल्कि उनके कार्यक्षेत्र का उल्लंघन भी बताया गया। ऐसे ही जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों की लिंचिंग को सही ठहराने वाले उनके बयान से भी सहमति नहीं जताई जा सकती। वायु सेना को आर्मी की एक सहायक शाखा बताने वाला उनका बयान भी सैन्य हलकों में बेवजह असंतोष पैदा करने वाला माना गया। इन सबके बावजूद जनरल बिपिन रावत अपनी रणनीतिक क्षमता, अपने विजन और व्यापक अनुभव की बदौलत कठिन चुनौतियों के बीच सेना का सफलतापूर्वक मार्गदर्शन करते रहे। उन्हें नॉर्थन और ईस्टर्न दोनों कमांड में काम करने का अनुभव था। इसके अलावा वह सदर्न कमांड का भी नेतृत्व कर चुके थे। वह जम्मू कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट दोनों जगहों पर काउंटर इंसर्जेंसी ऑपरेशंस का हिस्सा रहे थे और 1987 में सुमदोरॉन्गचू में पीपल्स लिबरेशन आर्मी से हुई झड़प के दौरान उनकी बटालियन अरुणाचल प्रदेश में एलएसी पर तैनात थी। ऐसे साहसी, अनुभव संपन्न और दूरदर्शितापूर्ण जनरल का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में इस तरह चला जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि कुछ हलकों से साजिश की आशंका भी व्यक्त की गई है, लेकिन ऐसे संवेदनशील मामलों में किसी भी तरह की कयासबाजी से बचा जाना चाहिए। हां किसी तरह के संदेह के लिए गुंजाइश भी नहीं छोड़ी जानी चाहिए। दुर्घटना के हालात की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घटनास्थल से ब्लैकबॉक्स और वॉयस रिकॉर्डर भी बरामद हो चुके हैं। इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि जांच में इस मामले का पूरा सच सामने आ जाएगा और ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम यथाशीघ्र उठाए जाएंगे। फिलहाल पहली जरूरत जनरल बिपिन रावत की जगह किसी अन्य काबिल ऑफिसर को सीडीएस पद पर नियुक्त करने की है ताकि सेना का यह सर्वोच्च पद अधिक समय तक खाली न रहे।

किसान आंदोलन से मिले क्या-क्या सबक?

किरीट ए. चावड़ा

केंद्र सरकार की ओर से भेजे गए लिखित प्रस्तावों के कुछ बिंदुओं पर बनी अनिश्चितता दूर किए जाने के बाद अब यह तय हो गया है कि किसानों संगठन आंदोलन वापस ले लेंगे। गुरुवार को इसका औपचारिक एलान होने के बाद पिछले एक साल से सड़कों पर बैठे किसान अपने गांव-घर को लौट जाएंगे। निश्चित रूप से यह हर किसी के लिए राहत की बात होगी। अपने खेत और घर-परिवार से दूर रहना इन किसानों के लिए आसान नहीं था। राजधानी के लोगों के लिए भी खास सड़कों का बाधित रहना कई तरह की असुविधाएं पैदा कर रहा था। सरकार के लिए भी किसानों के आंदोलन के चलते असुविधाजनक हालात बने हुए थे। आंदोलन वापसी की यह स्थिति थोड़ी और पहले बन सकती थी। देखा जाए तो प्रधानमंत्री द्वारा तीन कृषि कानूनों की वापसी का एलान ही निर्णायक बिंदु था। उसके बाद यह स्पष्ट हो गया था कि अब बाकी बातें तय कर ली जाएंगी और आंदोलन वापस हो जाएगा। इन बातों के तय होने में हुई देर इस बात का सबूत है कि सरकार और किसान संगठनों के बीच अविश्वास काफी बढ़ा हुआ था। सरकार कह रही थी कि किसानों के खिलाफ दर्ज किए गए मामले वापस ले लिए जाएंगे, पर किसान संगठनों को उस पर यकीन नहीं हो रहा था। किसी भी लोकतंत्र में यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण कही जाएगी। इसका कारण चाहे जो भी हो, एक लोकतांत्रिक देश में जनता के वोटों से चुनी सरकार और जनता के किसी समूह के बीच इस तरह का अविश्वास नहीं होना चाहिए।

ऐसे अविश्वास की जड़ में संवादहीनता होती है। इस लिहाज से देखा जाए तो किसान आंदोलन की एक महत्वपूर्ण सकारात्मक भूमिका बनती है। एक साल तक चले इस आंदोलन ने उत्तर भारत के एक बड़े हिस्से के किसानों को उनके नेताओं से जोड़ा है।

अब यह नेतृत्व सरकार के साथ सतत संवाद बनाए रखते हुए सरकार और किसानों के बीच पुल का काम कर सकता है। आम किसानों के बीच व्यापक सहमति बनाए बगैर तीन कृषि कानून लाने का ही नतीजा यह हुआ कि कृषि क्षेत्र में सुधार की एक महत्वपूर्ण कोशिश नाकाम हो गई। लेकिन इस नाकामी से कृषि में सुधार की जरूरत कम नहीं हुई है। इस जरूरत से आंखें मूंदना किसी के लिए भी हितकर नहीं होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि बदले हालात में सभी पक्ष खुले दिल-दिमाग से बातचीत की प्रक्रिया जारी रखते हुए आपसी सहमति की ठोस जमीन तैयार करेंगे और फिर कृषि क्षेत्र में सुधार का वह अजेंडा आगे बढ़ाया जाएगा, जो फिलहाल अधूरा रह गया है।

अपनी ताकत बढ़ाने पर ध्यान दे भारत

जिगर डी वाढेर

अलास्का में हाल में हुई चीन से वार्ता में अमेरिका ने शिनजियांग, हांगकांग, साऊथ चाइना सी और ताइवान के मुद्दों को चीन के सामने उठाया। अमेरिका के राडार में भारत-चीन सीमा विवाद नहीं है। इससे साफ है कि अमेरिका जो भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है उसके पीछे मूलतः अपने हितों को साधने का मकसद है। उसका भारत के हितों से कोई संबंध नहीं है। कहा जा सकता है कि अमेरिका भारत को चीन के सामने मोहरे के रूप में खड़ा कर रहा है। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. नूरेल रोबिनी ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच साझा लोकतांत्रिक संस्कृति है और दोनों देश स्वाभाविक मित्र हैं। लेकिन अमेरिका के सऊदी अरब जैसे गैर लोकतांत्रिक देशों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं और दक्षिण अमेरिका में वेनेजुएला जैसे लोकतांत्रिक देशों को अस्थिर करने को वह उद्यत है। रोबिनी ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत के क्वाड गठबंधन को भी महत्व दिया है। क्वाड भी मौन अमेरिका के प्रभुत्व वाले क्वाड का उद्देश्य भी शेष तीनों देशों के हितों को साधने के लिए भारत का उपयोग करने का हो सकता है। क्वाड की ओर से भी तो भारत-चीन के सीमा विवाद को नहीं उठाया गया। चीन द्वारा पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार में बंदरगाहों पर कब्जा किए जाने को लेकर भी क्वाड उदासीन है। उसका ध्यान साउथ चाइना समुद्र पर है, न कि हिंद महासागर पर। ध्यान देना चाहिए कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत- इन चारों क्वाड देशों में केवल भारत ही ऐसा है जिसकी सरहद चीन से लगती है और इसी सरहद पर क्वाड मौन है। क्वाड के लिए भारत का इस्तेमाल कर हांगकांग, साऊथ चाइना समुद्र और ताइवान में अपने हितों को साधना आसान है। उसके लिए इसमें खास रिस्क भी नहीं है क्योंकि कीमत भारत चुकाएगा और फायदा क्वाड पाएगा। अब तक भारत बहुकेंद्रीय विश्व की कल्पना में लगा हुआ था। गुटनिरपेक्ष संगठन इसका एक बड़ा जरिया हुआ करता था। लेकिन हकीकत यही है कि इस संगठन के सभी देश बड़े देशों के बीच पिसते रहे हैं और आज भी पिस रहे हैं। पूर्व में ये देश अमेरिका और रूस के बीच पिसते थे, तो आज अमेरिका और चीन के बीच पिस रहे हैं। ऐसे में अगर भारत ने गुटनिरपेक्षता को छोड़कर अमेरिका का साथ अपनाया है तो यह एक तरह से ठीक ही है क्योंकि बदले दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन अप्रासंगिक हो चुका है। परंतु दिक्कत यह है कि अमेरिका के पाले में बैठना कुएं से निकलकर खाई में गिरना है। गुटनिरपेक्षता के अंतर्गत भारत दूसरे गुटनिरपेक्ष देशों के साथ पिस रहा था जबकि अमेरिका के पाले में बैठ कर भारत अकेले पिस रहा है। ध्यान रहे, राजनीति में भी गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत लागू होता है। जब हम किसी देश से जुड़ते हैं तो वह जुड़ाव किसके पक्ष में काम करेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि ताकतवर कौन है। मसलन, दो व्यक्तियों की पार्टनरशिप में बड़ा पार्टनर ही जीतता है।

भारत और अमेरिका के संदर्भ में देखें तो अमेरिका का गुरुत्वाकर्षण ज्यादा होने की वजह से हम उसके छोटे पार्टनर जैसे हो जाते हैं, और हमारा जुड़ाव अमेरिकी हितों को ही आगे बढ़ाता है। फिर भी अमेरिका के साथ जुड़ने में तात्कालिक लाभ यह है कि हमें सैन्य ड्रोन और सैटलाइट तकनीकें मिल रही हैं। ये लाभप्रद हैं, बशर्ते हम इनका उपयोग अपने विवेक से अपने हितों को बढ़ाने के लिए करें, न कि चीन के विरुद्ध क्वाड के हितों को बढ़ाने के लिए।

हमारे सामने विकट स्थिति है। यदि हम क्वाड को महत्व देते हैं तो हमें तकनीकें मिलती हैं, परंतु हम क्वाड और चीन के बीच पिस जाते हैं। इसके विपरीत यदि हम रूस-भारत-चीन के रिक गठबंधन या ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के ब्रिक्स गठबंधन को महत्व देते हैं, तो हमें आधुनिक तकनीकें नहीं मिलती हैं। इन दोनों परिस्थितियों के बीच एक मात्र रास्ता यह है कि हम अपनी ताकत को स्वयं बढ़ाएं। तब अपने आप हमारा गुरुत्वाकर्षण बढ़ जाएगा और अमेरिका हमारा मनचाहा उपयोग नहीं कर सकेगा। कहते हैं, बिना मरे स्वर्ग नहीं मिलता। ठीक इसी प्रकार अपनी ताकत को बढ़ाए बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं।

इस दिशा में हमें चीन का ही उदाहरण देखना चाहिए। जिस प्रकार 80 और 90 के दशक में चीन ने अपनी ताकत बढ़ाई है उससे सबक लेने की जरूरत है। उस समय चीन की घरेलू बचत दर 45 प्रतिशत थी। आज हमारी बचत दर 25 प्रतिशत है। उस समय चीन ने अपने राष्ट्रीय विमर्श में आर्थिक विकास को प्राथमिकता दी थी। उदाहरण के लिए नारा दिया कि 'अमीर होना अच्छा है।'

आज हमारे राष्ट्रीय विमर्श में राम मंदिर, 1962 का युद्ध, कश्मीर, यूनिफॉर्म सिविल कोड और पाकिस्तान जैसे मसले दिखते हैं। उस समय चीन ने अमेरिका से विदेशी निवेश को आकर्षित किया और आधुनिक कमर्शल तकनीकें बाहर से हासिल कीं। लेकिन सामरिक तकनीकें खुद विकसित कीं। लड़ाकू विमान स्वयं बनाए। आज हम अमेरिका से गैर जरूरी माल जैसे अखरोट का आयात कर रहे हैं, अपनी आर्थिक नींव को कमजोर कर रहे हैं और सामरिक तकनीकों के लिए अमेरिका पर आश्रित हो गए हैं।

हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि जिस प्रकार चीन ने अमेरिका के साथ जुड़ाव बनाकर अपने को आगे बढ़ा लिया, उसी प्रकार हम भी अपने को बढ़ा लेंगे। हमारी जुड़ाव की नीति में मौलिक विसंगतियां हैं।

प्रश्न अमेरिका और चीन के बीच चयन का नहीं है। प्रश्न अपनी स्वयं की ताकत को बढ़ाने का है। हमें अपनी बचत दर को बढ़ाना होगा, राष्ट्रीय विमर्श को आर्थिक और तकनीकी संप्रभुता की तरफ मोड़ना होगा, व्यापार में मात्र जरूरी वस्तुओं का आयात करना होगा और आधुनिक तकनीकों में स्वयं निवेश करना होगा।

इन्हें अचानक क्यों आने लगी मथुरा की याद?

भूपेन्द्र पटेल

चुनाव के ठीक पहले सियासी मैदान के शूरमाओं की ओर से बयान आएं तो उनके राजनीतिक अर्थ निकाले ही जाएंगे। अगर बयान आबादी के लिहाज से सबसे बड़े और राजनीति के हिसाब से सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश से जुड़ा हो तो उसका विश्लेषण कुछ ज्यादा ही होगा। यहां प्रसंग उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के उस ट्वीट का है, जिसमें उन्होंने कहा था, 'अयोध्या और काशी में भव्य मंदिर निर्माण का काम जारी है, मथुरा की तैयारी है।' याद किया जा सकता है कि साल 2003 के राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के चुनावों में बीजेपी ने एक नई परिपाटी डालने की कोशिश की थी। तब केंद्र में वाजपेयी की अगुआई वाली सरकार थी। उस वक्त बीजेपी के चुनावी रणनीतिकार प्रमोद महाजन ने तीनों राज्यों के चुनावों के लिए 'बीएसपी' को मुद्दा बताया था। बीएसपी यानी बिजली, सड़क और पानी। विकास पर जोर

साफ शब्दों में कहें तो बीजेपी ने 18 साल पहले चुनावी राजनीति के लिए विकास के मुद्दे को पहले पायदान पर रखना शुरू किया था। साल 2014 और 2019 के संसदीय चुनावों में नरेंद्र मोदी ने भी विकास को सबसे ऊपर रखा था। हालांकि बीजेपी के अब तक के उभार में राम मंदिर आंदोलन की भी बड़ी भूमिका रही है। हर चुनाव में कमोबेश वह इस मुद्दे के इर्द-गिर्द रहती भी आई है। लेकिन हाल के कुछ चुनावों में बीजेपी ने प्रमुखता से सिर्फ विकास का मुद्दा उठाया है। हिंदुत्व और राममंदिर से जुड़े मुद्दों को उसने उनके बाद ही रखा है। यही वजह है कि केशव प्रसाद मौर्य ने जब मथुरा का मुद्दा उठाया तो उसके पीछे के अर्थ तलाशे जाने लगे।जानिए क्या है श्रीकृष्ण जन्मस्थान विवाद, जिसे लेकर हाई अलर्ट मोड पर है मथुरा साल 2017 में उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद से अब तक योगी आदित्यनाथ ने राजनीति की दुनिया में लंबी यात्रा तय की है। धीरे-धीरे वह बीजेपी की राजनीति के केंद्र में आते जा रहे हैं। हाल ही में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी आलाकमान ने उनके हाथों राजनीतिक प्रस्ताव पेश करवाकर एक तरह से उनकी अहमियत को ही स्थापित करने की कोशिश की है। इन सबके बावजूद एक सच यह भी है कि साल 2017 की उत्तर प्रदेश की जीत के एक स्तंभ केशव प्रसाद मौर्य भी रहे। उन दिनों पार्टी के वही अध्यक्ष थे। इस नाते मुख्यमंत्री पद पर उनकी निगाह भी रही ही होगी। लेकिन मुख्यमंत्री पद की दौड़ में वह पिछड़ गए। बेशक उत्तर प्रदेश की शासन व्यवस्था में उन्हें नंबर दो का पद हासिल हुआ है, लेकिन शायद उनकी उम्मीदें बरकरार हैं।

कुछ राजनीतिक जानकार मौजूदा दौर को हिंदुत्व का नवजागरण काल मानते हैं। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान कहते रहे हैं कि बहुसंख्यक वैचारिकी के उभार की वजह अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति रही है। नैरेटिव केंद्रित राजनीति का भी हिंदुत्व दर्शन और विचार की बुनियाद को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान है। केशव प्रसाद मौर्य की राजनीतिक यात्रा विश्वहिंदू परिषद के दिग्गज अशोक सिंघल की छत्रछाया में शुरू हुई और आगे बढ़ी। इसलिए यह मानने में कोई हर्ज नहीं है कि मौर्य इन तथ्यों को अच्छी तरह समझते होंगे। मंडल आयोग के बाद राजनीति जिस तरह पिछड़ावाद की ओर उन्मुख हुई है, उसकी वजह से विभिन्न दलों में स्वाभाविक रूप से पिछड़े वर्गों से राजनीतिक नेतृत्व उभरा। कई दलों ने सायास तरीके से भी पिछड़े वर्ग के नेतृत्व को उभारने की कोशिश की। इस प्रक्रिया से बीजेपी भी अलग नहीं है। इसका असर जमीनी स्तर पर भी दिखता है। गैर-यादव पिछड़ी जातियों में बीजेपी की गहरी पैठ इसका ठोस उदाहरण है। केशव प्रसाद मौर्य पिछड़े वर्ग से ही आते हैं। इसलिए अगर चुनाव बाद के नए समीकरणों में उन्हें अपने लिए अवसर दिखता है तो उसमें कुछ असामान्य भी नहीं है।

मथुरा में चप्पे-चप्पे पर पुलिस, शाही ईदगाह पर जलाभिषेक की धमकी के बाद अलर्ट बेशक अभी तक उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीति में योगी आदित्यनाथ के लिए कोई चुनौती नजर नहीं आती। लेकिन बीजेपी में ही असम का भी उदाहरण है। तत्कालीन मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल की ही अगुआई में पार्टी की असम में जीत हुई। लेकिन चुनाव बाद उनकी जगह हिमंता बिस्वसर्मा को कमान मिल गई। कुछ राजनीतिक समीक्षक इस संदर्भ में भी केशव प्रसाद मौर्य के ट्वीट को देख रहे हैं। हालांकि यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि 1991 का पूजास्थल कानून अब भी बरकरार है, जो कहता है कि आजादी के समय देश के पूजास्थलों की धार्मिक अवस्थिति थी, उसमें बदलाव नहीं किया जा सकता। अयोध्या के रामजन्मभूमि मंदिर को अपवाद माना गया है। ऐसे में मौर्य के बयान पर स्वाभाविक ही सवाल उठाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि शासन में जिम्मेदारी के पद पर बैठा व्यक्ति ऐसा बयान कैसे दे सकता है।

वोट बैंक की मजबूरी

यह भी सच है कि राममंदिर आंदोलन के उभार के दिनों से ही संघ परिवार अयोध्या के साथ ही काशी और मथुरा के भी मामलों का जिक्र करता रहा है। इसलिए यह मान लेना कि संघ विचार परिवार की राजनीति इससे इतर हो जाएगी, नादानी ही कही जाएगी। वैसे भी बीजेपी के वोट बैंक का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है, जो अक्सरहां उससे इन मुद्दों पर राय जानने की कोशिश करता रहता है। पार्टी को इन मुद्दों के प्रति आग्रही अपने वोटरों के साथ भी रिश्ता रखना है, इसलिए वह मथुरा जैसे मुद्दों को छोड़ नहीं सकती। मथुरा के मुद्दे को उठाने की एक वजह बीजेपी के लिए अपने प्रतिबद्ध वोटरों के रुझान को अभिव्यक्ति देना तो है ही, मौजूदा राजनीति में खुद प्रासंगिक बने रहना भी है। अपने कोर वोटरों को जोड़े रखने के लिए जहां ऐसे कोर मुद्दों पर बीजेपी को बने रहना होगा, वहीं विकास के मुद्दे पर भी आक्रामक राजनीति करनी होगी। केशव प्रसाद मौर्य के हालिया ट्वीट को इन तथ्यों के संदर्भ में समग्रता से देखा जाना चाहिए।

सिखों के खिलाफ टिप्पणी-एफआईआर रद्द करने की मांग लेकर हाईकोर्ट पहुंची कंगना रनौत

मुंबई। बॉलिवुड फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने सिख समुदाय को लेकर सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले को लेकर दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग को लेकर बांबे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

रनौत ने पिछले दिनों इस्टाग्राम पर पोस्ट करके सिख समुदाय की तुलना खालिस्तानियों से की थी। जिसे सिख समुदाय ने अनुचित व अपमानजनक मानते हुए मुंबई पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई थी। अधिवक्ता रिजवान सिद्दिकी के माध्यम से दायर की गई याचिका में रनौत ने दावा किया है कि इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 295ए (धार्मिक भावनाओं को आहत करने) के तहत मामला ही नहीं बनता है। मेरे मुवक्किल ने अपने मौलिक अधिकार के दायरे में रहकर पोस्ट किया था। यह पोस्ट किसान आंदोलन में शामिल प्रतिबंधित संगठनों को लेकर था। याचिका में रनौत ने कहा है कि पुलिस इस मामले को लेकर शिकायत दर्ज करते समय अपने विवेक का इस्तेमाल करने में पूरी तरह विफल रही है। दुर्भावना के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। ताकि मैं (रनौत) अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल न कर सकू। यह मामला मेरे बोलने की स्वतंत्रता व अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को दबाने के लिए दर्ज किया गया है।

रनौत के खिलाफ पेशे से वकील अमरजीत सिंह संधु, मनजिंदर सिंह सिरसा व जसपाल सिंह सिद्धु ने शिकायत दर्ज कराई है। जिसे रद्द करने की मांग को लेकर रनौत ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई हो सकती है।

केन्द्र सरकार बढ़ती महंगाई से आम जनता को राहत देने के लिए उठाए कदम - सांसद सुले

बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने गुरुवार को लोकसभा में महंगाई के मुद्दे को उठाते हुए इससे लोगों को राहत देने के लिए कदम उठाने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनों से देश में पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढते जा रहे है जिससे आम लोगों की कमर टूट गई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार कहती है कि इससे निजात पाने के लिए राज्य को टैक्स कम करना चाहिए। सहकारिता संघवाद में केन्द्र सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह भी टैक्स कम करें। लिहाजा सरकार से गुजारिश है कि पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर आदि चीजों के लगातार दाम बढ़ रहे है उसमें हस्तक्षेप करें और राज्यों की गरीब जनता को इससे राहत दे।

दो ट्रेलर आपस में टकराए

अमरावती। अमरावती से नागपुर की ओर जा रहे एक ट्रेलर को पीछे से आ रहे दूसरे तेज रफ्तार ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पीछे से आने वाले ट्रेलर को काफी नुकसान हुआ। जानकारी के अनुसार ट्रेलर क्रमांक एमएच 46/बीडब्ल्यू 7981 और ट्रेलर क्रमांक पीबी65/एवी 2996 दोनों ही ट्रेलर अमरावती से माल भरकर नागपुर की ओर जा रहे थे। तभी महामार्ग स्थित तिवसा के पंचवटी चौक के स्पीड ब्रेकर पर आगे वाले ट्रेलर द्वारा ब्रेक लगाने से पीछे से आ रहा ट्रेलर उससे टकरा गया। जिससे ट्रेलर क्रमांक पीबी65/एवी 2996 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। तिवसा पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के दल ने घटनास्थल पर पहुंच कर पंचनामा करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में एक की मृत्यु

अमरावती से यवतमाल की ओर जाने वाले महामार्ग पर माहुली चोर से धानोरा गुरव के बीच में एक दोपहिया व कार के आमने समने टक्कर होने से दोपहिया सवार की मृत्यु हो गई। चालक अपनी दोपहिया वाहन क्रमांक एमएच 27/सीएन 6915 होंडा सीवी शाइन पर सवार होकर अमरावती से नांदगंव खंडेश्वर की ओर जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रही टाटा इंडिगो सीएस क्र. एमएच 29/एडी 6123 से उसकी जबरदस्त भिड़ंत हो गई। मृतक के हाथ पर पवन, गोलू लिखा हुआ है। इसी नाम से उसकी पुष्टि हुई है।

वनाधिकारियों की खींचतान में अटके काम

अमरावती। वन अधिकारियों की वर्चस्व की लड़ाई पहले भी कई बार देखी गई है लेकिन इस बार बाहर दिखाई देने लगी है। इसकी प्रमुख वजह मंजूरी के बाद भी कार्य नहीं हो पा रहे हैं। जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय समिति द्वारा 40 अतिरिक्त आरा मशीनों, आग नियंत्रण संबंधित उपकरणों को मंजूरी देते समय अपर प्रधान मुख्य वनसंरक्षक के अंतर्गत आने वाले तत्कालीन सदस्य सचिव व मुख्य वनसंरक्षक कार्यालय द्वारा जांच पड़ताल के दस्तावेज बैठक में प्रस्तुत किए गए थे। उस समय मुख्य वन संरक्षक ने दस्तावेजों के आधार पर ही नई मशीनों व आग नियंत्रण संबंधित उपकरणों की खरीदी को मंजूरी दी थी।

महाराष्ट्र सरकार सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को देगी आवासीय सुविधा, CIDCO के साथ बना रही है योजना

ठाणे, महाराष्ट्र के मंत्री एकनाथ शिंदे ने एक समारोह के दौरान सेवानिवृत्त हुए पुलिसकर्मियों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों के सामने आने वाली आवास समस्याओं को दूर करने और उनकी अन्य जरूरतों को देखते हुए राज्य सरकार सिडको के साथ मिलकर पुलिस कर्मियों के लिए घर और आवासीय क्वार्टर बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं बना रही है। शिंदे ने मंगलवार को राज्य के आवास मंत्री जितेंद्र आव्हाड के साथ एक समारोह में ठाणे

पुलिस को दोपहिया और चार पहिया वाहन सौंपे, जिसमें उन्होंने कहा कि अपराध के खिलाफ पुलिस की दक्षता में सुधार होगा। इन वाहनों के लिए ठाणे जिला योजना कोष से वित्तीय सहायता ली गई है। "राज्य सरकार पुलिस कर्मियों के लिए आवास और क्वार्टर उपलब्ध कराने के लिए सिडको के सहयोग से विभिन्न योजनाएं तैयार कर रही है। शहरी विकास और पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा की पुलिसकर्मियों के सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनके आवास का इंतजाम होना आवश्यक है।

विधान परिषद-दो सीटों के लिए मतदान, 14 दिसंबर को होगी मतगणना

मुंबई। विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकारी की नागपुर और अकोला-बुलढाणा-वाशिम सीट पर होने वाले चुनाव के लिए शुक्रवार को वोट डाले जाएंगे। दोनों सीटों के चुनाव के लिए सुबह 8 से शाम 4 बजे तक वोटिंग होगी। जबकि वोटों की गिनती 14 दिसंबर को होगी। नागपुर सीट पर भाजपा उम्मीदवार चंद्रशेखर बावनकुले और कांग्रेस उम्मीदवार रवींद्र उर्फ छोटू भोयर के बीच सीधा मुकाबला है। जबकि निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मंगेश देशमुख मैदान में हैं। वहीं अकोला-बुलढाणा-वाशिम सीट पर शिवसेना उम्मीदवार गोपीकिशन बाजोरिया और भाजपा प्रत्याशी वसंत खंडेलवाल के बीच टक्कर है। दोनों सीटों पर स्थानीय निकायों के सदस्य वोट डालेंगे। नागपुर सीट पर भाजपा उम्मीदवार बावनकुले के पास जीत के लिए पर्याप्त वोट हैं। लेकिन भाजपा ने भीतरघात से बचने के लिए अपने कई वोटरों (नगरसेवकों) को भाजपा शासित प्रदेशों में भेजा था। कांग्रेस ने नागपुर मनपा में भाजपा के नगरसेवक रहे भोयर को उम्मीदवारी दी है। दूसरी ओर अकोला-बुलढाणा-वाशिम सीट पर शिवसेना प्रत्याशी बाजोरिया लगातार चौथी बार चुनावी मैदान में हैं।

बाजोरिया के खिलाफ भाजपा ने खंडेलवाल को उम्मीदवारी दी है। इस सीट पर किसी दल के उम्मीदवार के पास स्पष्ट बहुमत नहीं होने के चलते वंचित बहुजन आघाड़ी के वोटरों की भूमिका अहम होगी।

दोनों सीटों पर वोटर और मतदान केंद्र

विधान परिषद की नागपुर सीट पर 560 वोटर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इसमें 273 पुरुष और 287 महिला मतदाता हैं। नागपुर सीट के लिए 15 मतदान केंद्रों पर वोटिंग होगी। जबकि अकोला-बुलढाणा-वाशिम सीट पर 821 वोटर वोट डालेंगे। इसमें 389 पुरुष मतदाता और 432 महिला मतदाता शामिल हैं। इस सीट पर वोटिंग के लिए 22 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

विवाह समारोह में घुसकर चोरों ने उड़ाए साढ़े 5 लाख के गहने

अमरावती। शहर के सबसे महंगे कार्यक्रम स्थलों में से एक स्थानीय होटल ग्रेंड महफिल के रूबी हॉल में 8 दिसंबर को एक विवाह कार्यक्रम में आए मेहमान सूटबूट में पहुंचे चोरों का निशाना बन गए। शहर के हाईप्रोफाइल होटल में हुई घटना से हड़कंप मच गया है। मामले को लेकर सिटी कोतवाली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

जानकारी के अनुसार सजधजकर पहुंचे चोरों ने विवाह कार्यक्रम में मौजूद दो महिलाओं को अपना निशाना बनाया लिया। चोरी की शिकार हुई महिलाओं की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। चोरों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। जिसमें एक युवक हाथ में बैग लेकर जाता दिखाई दिया है। परांजपे कॉलोनी निवासी तरंग शाह अपनी रिश्तेदार के विवाह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए होटल ग्रेंड महफिल पहुंचे थे। इसी कार्यक्रम में हैदराबाद से आई उनकी बहन 8 दिसंबर की शाम होटल ग्रैंड महफिल पहुंची थी। तभी गहनों से भरी उनकी बैग चुरा ली गई।

कोरोना के नाम पर मुनाफावसूली

महाराष्ट्र में गधी के दूध को इम्यूनिटी बूस्टर बताकर बेचा जा रहा, एक लीटर दूध की कीमत 10 हजार रुपए

गधी के दूध से 'उल्लू' बना रहे

कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर के बीच महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में गधी का दूध 10,000 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। दूध बेचने वालों का दावा है कि गधी का दूध पीने से शरीर में इम्यूनिटी बढ़ती है और इससे कोरोना जैसी महामारी से भी निपटा जा सकता है। यहां गधी का दूध लेने के लिए काफी संख्या में लोग आ रहे है। जानकारी के मुताबिक, डिमांड बढ़ने के कारण आसपास के जिलों से भी लोग हिंगोली आकर गली-गली घूमकर गधी का दूध बेचने लगे हैं। दूध बेचने वालों कह रहे हैं कि एक चम्मच दूध पियो और हर तरह की बीमारी से मुक्ति पाओ। यह करिश्माई दूध है और इसे पीने से काफी फायदे होते हैं।

दूध विक्रेताओं का दावा- बच्चों को निमोनिया से बचाता है गधी का दूध

गधी का दूध बेचने वालों का दावा है कि इससे बच्चों को निमोनिया नहीं होता। इसके अलावा बुखार, खांसी, कफ, जैसी बीमारी के साथ गधी का दूध कोरोना के मरीज की इम्यूनिटी बढ़ाने को काम करता है।

एक चम्मच दूध की कीमत 100 रुपए है

गधी का दूध बेचने वाले बालाजी मेसेवाड ने बताया कि वो ताजा दूध निकाल कर बेचते हैं। यह काफी बीमारियों पर असरदार है। एक चम्मच दूध की कीमत 100 रुपए और एक लीटर दूध 10 हजार रुपए में बेचते हैं। गधी का दूध त्वचा और शरीर दोनों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर है।

गधी के दूध में चमत्कारी गुण

नेशनल रिसर्च सेंटर ऑन इक्वाइन (NRCE) की रिसर्च के मुताबिक, मां के दूध में जो पोषक तत्व होते हैं, वैसे ही पोषक तत्व गधी के दूध में भी होते हैं। बकरी, ऊंटनी, भैंस के दूध की तुलना में इस दूध की गुणवत्ता ज्यादा अच्छी है। इसके दूध में फैट नहीं होता। बढ़ती उम्र के नकारात्मक प्रभावों को रोकने वाली एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा गधी के दूध में ज्यादा होती है।

यह कई रोगों से लड़ने में सक्षम है। बच्चों की पाचन शक्ति बढ़ाने में यह दूध काफी कारगर है। स्किन मुलायम होती है और इससे कई तरह के चर्म रोगों से भी बचाव किया जा सकता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी बढ़ोतरी होती है। इसमें एंटी एजिंग, एंटी ऑक्सीडेंट और कई दूसरे कई औषधीय तत्व होते हैं।

पैसों के लिए दुष्प्रचार कर रहे हैं लोग: डॉक्टर

स्थानीय डॉक्टर वीएन रोडगे का कहना है कि गधी का दूध पीने से कोरोना जैसी महामारी ठीक हो जाएगी, यह बिलकुल गलत है। कुछ लोग पैसों के लिए ऐसा दुष्प्रचार कर रहे हैं। प्रशासन को ऐसे लोगों पर लगाम लगानी चाहिए और हमें भी आंख बंद कर भरोसा नहीं करना चाहिए। लोग अपना पैसा खर्च न करें। बीमार होने पर डॉक्टर के पास जाएं और कोविड प्रोटोकॉल का पालन करें।

चुनाव में सेवा देने वाले कर्मियों को अब तक नहीं मिला मेहनताना

अमरावती। जिले की 553 ग्राम पंचायतों में जनवरी 2021 में ही चुनावी प्रक्रिया संपन्न हुई है। इन चुनावों को सफलतापूर्वक पूरा कराने में शहर व ग्रामीण के पुलिस अधिकारियों व जवानों का अहम योगदान रहा है। चुनाव विभाग द्वारा प्रत्येक चुनाव में सुरक्षा संबंधित कार्य को पूरा करने के लिए पुलिस विभाग की सहायता ली जाती है। पुलिस विभाग द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले प्रत्येक जवान को चुनाव आयोग की ओर से मेहनताना दिया जाता है। लेकिन इस चुनावी प्रक्रिया के तीन माह बीतने के बावजूद अब भी जिले के 1859 जवानों को वेतन का इंतजार है।

इस साल 2500 करोड़ का धान खरीदेगी सरकार

मुंबई। राज्य में समर्थन मूल्य पर किसानों से धान की खरीद जारी है। फिलहाल 175 करोड़ के धान खरीदे जा चुके हैं। धान बेचने वाले किसानों को अब भुगतान के लिए लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। धान खरीद केंद्र पर बिक्री के 2 सप्ताह के भीतर किसान के बैंक खाते में रकम जमा करा दी जाती है। राज्य के खाद्य व आपूर्ति विभाग के सचिव विजय वाघमारे ने 'दैनिक भास्कर' को बताया कि पिछले साल की अपेक्षा इस साल धान का उत्पादन अधिक हुआ है। महाराष्ट्र में विदर्भ इलाके में धान का उत्पादन अधिक होता है। इस साल राज्य सरकार करीब 2500 करोड़ रुपए का धान खरीदेगी। उन्होंने बताया कि धान खरीद में देरी न हो इस लिए पुराने खरीद केंद्रों और मिलर को फिर से रजिस्ट्रेशन कराने से छूट दी गई है। बोरा खरीदने के लिए इस बार जल्द टेंडर निकाले गए हैं साथ ही केंद्र सरकार ने पुराने बोरे भी खरीदने की अनुमति दी है।

प्रेमिका सो गई और फोन नहीं उठा पाई, नाराज लड़के ने कर ली खुदकुशी

मुंबई, 24 साल के एक युवक ने कथित तौर पर प्रेमिका से नाराज होकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान मानव ललवानी के रूप में हुई है। वह देवनार में परिजन के साथ रहता था। दो दिसंबर की रात को वह चेंबूर जिमखाना में दोस्तों के साथ पार्टी कर देर रात घर लौटा था। इस दौरान उसकी 22 साल की प्रेमिका भी साथ थी। बताया जा रहा है कि प्रेमिका से विदा लेने के बाद मानव अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। करीब दो बजे उसने प्रेमिका को कॉल किया।

10 बार भी नहीं उठाई कॉल, प्रेमिका पर होने लगा शक और दे दी जान

पुलिस के अनुसार, 10 बार कॉल करने के बाद भी प्रेमिका ने उसका कॉल रिसीव नहीं किया। इसके बाद मानव को उस पर शक हुआ। प्रेमिका के इस रवैये से नाराज होकर वह टेरेस पर गया और फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मानव के परिजन द्वारा इस घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मानव के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए राजावाड़ी अस्पताल भेज दिया। उसके शव के पास से पुलिस ने एक मोबाइल फोन बरामद किया।

पुलिस ने बताया, लड़की सो गई इसीलिए नहीं उठा पाई फोन

पुलिस के अनुसार, मानव जब प्रेमिका को फोन कर रहा था। उस दरमियान उसकी प्रेमिका सो गई थी। इस वजह से मानव के कॉल्स को वह रिसीव नहीं कर पा रही थी। इससे मानव को प्रेमिका पर शक हुआ और उसने खुदकुशी कर ली। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सिद्धेश्वर गोव के मुताबिक, जांच करने के दौरान पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज हाथ लगा है। इसमें साफ दिख रहा है कि मानव फोन पर बात करते हुए टेरेस की ओर जा रहा है, जहां उसने घटना को अंजाम दिया।

मामले में लड़की की कोई भूमिका सामने नहीं आई

प्रथम दृष्टया इस मामले में प्रेमिका की भूमिका सामने नहीं आई है, लेकिन जांच के दौरान अगर कोई सबूत मिलता है, तो प्रेमिका के खिलाफ भी पुलिस मामला दर्ज कर सकती है। बेटे की मौत से दुखी मानव के पिता प्रकाश ललवानी ने पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

ठाणे के बाद अब पुणे में पहले ओमिक्रोन संक्रमित की रिपोर्ट आयी नेगेटिव

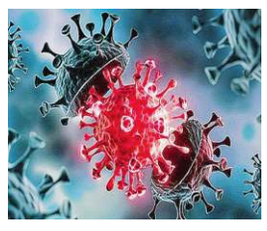

पुणे, महाराष्ट्र के पुणे शहर के पहले ओमिक्रोन वैरिएंट से संक्रमित व्यक्ति की आरटी पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव आयी है। पुणे नगर निगम, महाराष्ट्र के सहायक चिकित्सा अधिकारी डॉ संजीव वावरे के अनुसार उसे आज अस्पताल से घर भेज दिया जाएगा। गौरतलब है कि बीते 9 दिसंबर को ठाणे में पाये गए ओमिक्रोन संक्रमित मरीज की रिपोर्ट भी नेगेटिव आयी थी जिसके बाद उसे अस्पताल से घर भेज दिया गया था। ठाणे में मिला ओमिक्रोन का पहला रोगी कल्याण डोंबिवली नगर निगम इलाके के 33 वर्षीय मरीन इंजीनियर नवंबर के आखिरी सप्ताह में दुबई से होता हुआ दक्षिण अफ्रीका से दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा था, यहां उसका आरटीपीसीआर टेस्ट किया गया था। जब वह दिल्ली एयरपोर्ट से मुंबई पहुंचा तब दिल्ली एयरपोर्ट के अधिकारियों ने उन्हें संक्रमित होने की सूचना दी। इसके बाद महाराष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने जीनोम अनुक्रमण के लिए जो सैंपल भेजा था उसमें ओमिक्रॉन वेरिएंट की पुष्टि की गई थी।

कंटेनर में ठूंस-ठूंस कर ले जा रहे थे 50 मवेशी, पुलिस ने पकड़ा

नागपुर। मध्यप्रदेश से कंटेनर में मवेशियों को लादकर हैदराबाद ले जाते समय कंटेनर पकड़ा गया। पुलिस ने कंटेनर से 50 मवेशियों को मुक्त कराया। पशुओं को बूचड़खाना ले जाया जा रहा था। उपायुक्त मनीष कलवानिया के विशेष पुलिस दस्ते ने मवेशियों को गौशाला भेज दिया। कार्रवाई में कंटेनर चालक शफीक अहमद रशीद खान (42), हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, बेरसिंह रोड करोंद हूजूर, भोपाल, मध्यप्रदेश निवासी को गिरफ्तार किया गया। मवेशी व कंटेनर सहित करीब 27 लाख 50 हजार रुपए का माल जब्त किया गया है।

डॉक्टर के फ्लैट से 7.10 लाख रुपए का माल उड़ा ले गए चोर

नागपुर। मेडिकल चौक के पास टाटा कैपिटल हाईट्स के फ्लैट नं.-504 निवासी डॉ. उमेश बियानी के घर से सोने के गहने, डायमंड रिंग व नकद सहित करीब 7 लाख 10 हजार रुपए का माल चोरी हो गया। घटना 29 नवंबर को हुई। डॉ. बियानी के घर में बच्चे का जन्मदिन था। दोनों भाइयों के परिजन लॉकर से गहने लाए थे।

पर्यावरण को बचाने की जरूरत

हिरल शाह

वायु प्रदूषण दुनिया भर में हर साल अनुमानित 70 लाख लोगों की जान लेता है। WHO के आंकड़ों से पता चलता है कि लगभग सभी वैश्विक आबादी (99%) हवा में सांस लेती है जो उच्च स्तर के प्रदूषकों वाले डब्ल्यूएचओ की दिशानिर्देश सीमा से अधिक है, जिसमें निम्न और मध्यम आय वाले देश उच्चतम जोखिम से पीड़ित हैं। WHO वायु प्रदूषण को दूर करने के लिए देशों का समर्थन कर रहा है।शहरों के ऊपर के स्मॉग से लेकर घर के अंदर धुएं तक, वायु प्रदूषण स्वास्थ्य और जलवायु के लिए एक बड़ा खतरा है। परिवेश (बाहरी) और घरेलू वायु प्रदूषण के संयुक्त प्रभाव से हर साल लाखों समय से पहले मौतें होती हैं, जिसका मुख्य कारण स्ट्रोक, हृदय रोग, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, फेफड़ों का कैंसर और तीव्र श्वसन संक्रमण से मृत्यु दर में वृद्धि है। हम अगली पीढ़ी को वित्तीय सुरक्षा देने की जल्दी में हैं लेकिन मिलावटी वातावरण में उनका जीवन कितना होगा। वायु प्रदूषण के उच्च स्तर से दिल का दौरा, घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ और आंखों, नाक और गले में जलन का खतरा बढ़ सकता है। वायु प्रदूषण मौजूदा हृदय समस्याओं, अस्थमा और फेफड़ों की अन्य जटिलताओं को भी खराब कर सकता है।

परिवेशी वायु प्रदूषण एक व्यापक शब्द है जिसका उपयोग बाहरी वातावरण में वायु प्रदूषण का वर्णन करने के लिए किया जाता है। वायु गुणवत्ता सूचकांक, या AQI, वायु प्रदूषण के खतरनाक होने पर जनता को चेतावनी देने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रणाली है। A Q I ओजोन (स्मॉग) और कण प्रदूषण (राख, बिजली संयंत्रों और कारखानों से छोटे कण, वाहन निकास, मिट्टी की धूल, पराग, और अन्य प्रदूषण) के साथ-साथ चार अन्य व्यापक वायु प्रदूषकों को ट्रैक करता है।सबसे खराब वायु गुणवत्ता वाले दुनिया के शीर्ष 10 शहरों में से तीन - दिल्ली, कोलकाता और मुंबई, भारत में हैं, स्विट्जरलैंड स्थित एक जलवायु समूह आईक्यूएयर से वायु गुणवत्ता और प्रदूषण शहर ट्रैकिंग सेवा के आंकड़े दिखाए गए हैं। यह रिपोर्ट 13 नवंबर 2021 को प्रकाशित हुई थी।

पर्यावरण को कौन बिगाड़ता है?

वायु प्रदूषण ठोस और तरल कणों और हवा में निलंबित कुछ गैसों के कारण होता है। ये कण और गैसें कार और ट्रक के निकास, कारखानों, धूल, पराग, मोल्ड बीजाणुओं, ज्वालामुखियों और जंगल की आग से आ सकती हैं। साथ ही E-Waste (इलेक्ट्रॉनिक कचरा) इंसानों, जानवरों और पर्यावरण के लिए एक बड़ा खतरा है। भारी धातुओं और अत्यधिक जहरीले पदार्थों जैसे पारा, सीसा, बेरिलियम और कैडमियम की उपस्थिति पर्यावरण के लिए बहुत कम मात्रा में भी एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करती है।

हम कम प्रदूषित वातावरण कैसे सुनिश्चित करें?

1. यात्रा के लिए निजी वाहन के प्रयोग से बचें। हो सके तो पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। सामूहिक रूप से आप पर्यावरण में बदलाव लाएंगे।
2. यदि गंतव्य निकट है तो साइकिल का उपयोग करें या पैदल चलें।
3. कचरा न जलाएं। इसे कचरा प्रबंधन कंपनी को सौंप दें। अगर यह ई-कचरा है तो आपको इसे प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अधिकृत कंपनी को कचरा इकट्ठा करने के लिए देना होगा।
4. स्थानीय उद्यान पहल का समर्थन करना (या अपना खुद का शुरू करना) आपके स्थानीय पड़ोस में दीर्घकालिक वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद कर सकता है। पौधे CO2 का सेवन करके अपने आसपास की हवा को साफ करने में मदद करते हैं। पेड़ लगाओ।
5. वायु प्रदूषण पर केंद्रित स्थानीय विकास और नीतिगत परिवर्तनों पर नज़र रखें।

अगर आपने अभी कोई कदम नहीं उठाया तो आप अगली पीढ़ी के जीवन को नर्क बना देंगे।

सावधान-ऐसी आदतें बढ़ा सकती हैं कोरोना संक्रमण का जोखिम, तुरंत कर लें सुधार वरना बढ़ जाएगी मुसीबत

चेतन बुट्टी

भारत सहित दुनिया के तमाम हिस्सों में कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट से संक्रमण का खतरा बढ़ता जा रहा है। इस वैरिएंट को अध्ययनों में बेहद संक्रामक बताया जा रहा है, जिसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को विशेष सावधानी

बरतने के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जिस तरह से दूसरी लहर के दौरान संक्रमण से बचाव के उपायों को प्रयोग में लाया जा रहा था, उसी तरह से सभी लोगों को फिर से सावधानी बरतते हुए कोरोना से बचाव के तरीकों को प्रयोग में लाना चाहिए। ओमिक्रॉन वैरिएंट शरीर में वैक्सीनेशन से बनी प्रतिरक्षा को चकमा देने में सक्षम है, ऐसे में संक्रमण का खतरा उन लोगों के लिए भी बना हुआ है जिनका वैक्सीनेशन हो चुका है।स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना के बढ़ते खतरे के बीच हम सभी को ऐसी कोई भी गलती नहीं करनी चाहिए जो संक्रमण के जोखिम को बढ़ा सकती हों। आइए जानते हैं संक्रमण से बचे रहने के लिए किन आदतों को तुरंत छोड़ देना चाहिए। सिग्नस हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ शुचिन बजाज बताते हैं, कोरोना के तमाम वैरिएंट्स से सुरक्षित रहने के लिए मास्क पहनना सबसे बेहतर विकल्प हो सकता है। मास्क न पहनने से संक्रमित होने का जोखिम बढ़ जाता है।

ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए लोगों को मास्क न पहनने की गलती बिल्कुल भी नहीं करनी चाहिए।

वैक्सीन की एक डोज पर्याप्त नहींडॉ शुचिन बताते हैं, ओमिक्रॉन वैरिएंट में देखे गए म्यूटेशन इसे दोनों डोज ले चुके लोगों को भी संक्रमित करने की क्षमता देते हैं। ऐसे में जिन लोगों का वैक्सीनेशन पूरा नहीं हुआ है, या फिर जिन्हें टीके की सिर्फ एक डोज ही मिल सकी है, उनमें अन्य लोगों की तुलना में संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है। ऐसे में ओमिक्रॉन से बचने के लिए समय रहते दोनों डोज ले लेना बहुत आवश्यक है।

फलों-सब्जियों का बिना धोएं सेवन करनाअगर आप भी बाजार से आने वाली फलों-सब्जियों को बिना धोए ही उपयोग में ला रहे हैं, तो सावधान हो जाइए। आपकी यह आदत संक्रमण के जोखिम को बढ़ावा दे सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक सतह पर कोरोना का वायरस लंबे समय तक मौजूद हो सकता है। ऐसें में बिना धोए चीजों का सेवन आपको गंभीर मुसीबत में डाल सकता है।

नोट: यह लेख मेडिकल रिपोर्टस से प्राप्त जानकारियों आधार पर तैयार किया गया है।

बड़ा सवाल-क्या मिक्स वैक्सीन डोज देकर रोक सकते हैं ओमिक्रॉन का खतरा?

रंजनबेन मसोया

कोरोना की दूसरी लहर के बाद एक बार चीजें सामान्य लगने लगी थीं, इसी बीच ओमिक्रॉन वैरिएंट ने पूरी दुनिया के लिए मुश्किलें बढ़ा दीं। दुनियाभर में एक बार फिर से तनाव और अराजकता की स्थिति देखने को मिल रही है। अध्ययनों से पता चलता है कि कोरोना का यह नया वैरिएंट अब तक का सबसे संक्रामक हो सकता है, जिससे बचाव के लिए लोगों को और अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इतना ही नहीं, विशेषज्ञ बताते हैं कि इस वैरिएंट में देखे गए म्यूटेशन इसे वैक्सीन से बनी शारीरिक प्रतिरक्षा को चकमा देने के योग्य बनाते हैं, जिससे चिंता और बढ़ जाती है। कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि वैक्सीन की तीसरी डोज देकर लोगों को इससे सुरक्षित किया जा सकता है।ऐसे में एक सवाल खड़ा होता है कि क्या दो अलग-अलग ब्रॉड की वैक्सीन का मिक्स डोज देकर लोगों को ओमिक्रॉन के खतरे से बचाया जा सकता है? मिक्स डोज को लेकर दूसरी लहर के दौरान भी खूब चर्चा हुई थी। आइए इस बारे में आगे की स्लाइडों में जानते हैं।

क्या होता है मिक्स वैक्सीनेशन?

ओमिक्रॉन से बचाव के लिए बूस्टर डोज के साथ-साथ टीकों के मिश्रण यानी कि मिक्स वैक्सीनेशन को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

मिक्स वैक्सीनेशन का मतलब, वैक्सीन की दो अलग-अलग ब्रांड की दो खुराक देने से है। आमतौर पर लोगों को पहली और दूसरी डोज एक ही कंपनी के वैक्सीन की दी जाती है। कुछ यूरोपीय देशों ने बेहतर प्रभावकारिता के लिए मिक्स वैक्सीनेशन देने का निर्णय भी लिया था। अध्ययनों से पता चलता है कि वैक्सीन की दोनों डोज ले चुके लोगों में कोरोना के गंभीर संक्रमण और इसके कारण होने वाली मौत का जोखिम कम होता है।

आज का योगासन-क्या आप भी पैरों के दर्द से परेशान हैं? इन योग के अभ्यास से मिलेगी जल्द राहत

काम के अधिक दबाव, बहुत ज्यादा चलने या कुछ शारीरिक स्थितियों के कारण पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है। अधिक काम के कारण इस तरह के दर्द को सामान्य माना जाता है, हालांकि यदि आपको अक्सर ही इस तरह की समस्या बनी रहती है तो इस बारे में सावधान हो जाने की जरूरत है। डॉक्टरों के मुताबिक कई गंभीर बीमारियों के लक्षण के रूप में भी पैरों में दर्द हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक स्थिति के कारण का निदान कर इसे ठीक करने के उपाय करना बहुत आवश्यक माना जाता है। इसके लिए दिनचर्या में योगासनों को शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है।योग विशेषज्ञ बताते हैं, कई आसानों के नियमित अभ्यास से पैरों के दर्द को हमेशा के लिए ठीक किया जा सकता है। गठिया जैसी समस्याओं के कारण होने वाले दर्द को ठीक करने में भी योगासनों के अभ्यास को फायदेमंद माना जाता है। आइए ऐसे ही कुछ योगाभ्यासों के बारे में आगे की स्लाइडों में जानते हैं।

ताड़ासन

योगताड़ासन योग का नियमित अभ्यास करना शरीर के लिए विशेष लाभदायक होता है। यह पूरे शरीर में खिंचाव उत्पन्न करने के साथ रक्त के संचार को बढ़ावा देने में सहायक माना जाता है।

ताड़ासन योग को पैर और एड़ियों को लिए विशेष लाभदायक माना जाता है। पैरों की मांसपेशियों के संपूर्ण अभ्यास के लिए इस योग का नियमित अभ्यास किया जा सकता है।

उत्तानासनजिन लोगों के अक्सर पैरों में दर्द और जकड़न की समस्या बनी रहती है उनके लिए उत्तानासन योग के अभ्यास को लाभदायक माना जाता है। इस योगासन में शरीर की कई मांसपेशियों का अभ्यास हो जाता है, जिससे न सिर्फ पैर में दर्द और जकड़न की समस्या दूर हो सकती है, साथ ही शरीर के लचीलापन को बढ़ाने में भी इस योग को फायदेमंद माना जाता है।

वृक्षासन योग का अभ्यासवृक्षासन योग के अभ्यास को पैरों के दर्द और गठिया की समस्या को दूर करने में लाभदायक माना जाता है। पैरों और कूल्हे की हड्डियों को मजबूती देने में वृक्षासन योग का नियमित अभ्यास करना लाभदायक हो सकता है। जिन लोगों को दिनभर काम के कारण पैरों में दर्द की समस्या बनी रहती है उनके लिए वृक्षासन योग विशेष लाभदायक हो सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : आपके लिए यह सप्ताह शारीरिक रूप से थकान और रोगों वाला रह सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण आंतरिक ऊर्जा में कमी रहेगी। कार्यो की गति भी शिथिल रहेगी। परिवार में किसी से विवाद के कारण मन खिन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। नौकरी और कार्य व्यवसाय में मनमुताबिक सफलता नहीं मिलेगी।

वृषभ : आपके लिए यह सप्ताह शारीरिक रूप से थकान और रोगों वाला रह सकता है। व्यर्थ की भागदौड़ और पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण आंतरिक ऊर्जा में कमी रहेगी। कार्यो की गति भी शिथिल रहेगी। परिवार में किसी से विवाद के कारण मन खिन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। नौकरी और कार्य व्यवसाय में मनमुताबिक सफलता नहीं मिलेगी।

मिथुन : सामाजिक और पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए समय निकालना पड़ेगा। आर्थिक स्थिति पहले से ठीक होगी। किसी विशेष कार्य को पूरा करने के लिए स्वजनों का सहयोग लेना पड़ेगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है। नौकरीपेशा और कारोबारियों का काम ठीक तरीके से चलेगा।

कर्क : मानसिक उथल-पुथल के बीच कुछ समय स्वयं के लिए निकालें। गुरु, परिवार के वरिष्ठजन के सान्निध्य में रहें। शारीरिक रूप से अस्वस्थ महसूस करेंगे। पुराने रोग भी परेशान करेंगे। परिवार में किसी को बड़ी बीमारी आ सकती है। कोर्ट-कचहरी के मामले उलझ सकते हैं। नौकरीपेशा को राहत रहेगी लेकिन कारोबारियों के लिए मुश्किल बढ़ सकती है।

सिंह : सप्ताह सामान्य है। पुराने अटके हुए कार्य पूरे होंगे लेकिन नए कार्य इस सप्ताह प्रारंभ न करें। आर्थिक लाभ की संभावनाएं बन रही हैं। कहीं पैसा निवेश किया है तो बेहतर रिटर्न मिलेगा। समाज में पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। युवाओं को जॉब के बेहतर मौके मिलेंगे। दांपत्य जीवन में पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या : मानसिक उलझन महसूस करेंगे। किसी बात का निर्णय नहीं हो पाने से परेशान रहेंगे। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वयं को भी शारीरिक शिथिलता महसूस होगी। नौकरी में बदलाव के संकेत हैं। कारोबारियों को काम में नवाचार करना होगा। नए कार्य प्रारंभ कर सकते हैं, लेकिन पूरी मेहनत और समर्पण रखना होगा।

तुला : भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। आर्थिक दृष्टि से सप्ताह उत्तम है। अटकी हुई परियोजनाओं को गति मिलेगी। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। किसी प्रिय से भेंट होगी। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है, लेकिन परिवार के अन्य लोगों से सामंजस्य बेहतर रहेगा। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो समय ठीक है।

वृश्चिक : धैर्य और संयम का शुभ फल मिलने वाला है। परिवार में आपके निर्णय को सराहना मिलेगी। भूमि, संपत्ति, वाहन खरीदने का योग है। निवेशकों के लिए समय संभलकर चलने का है। सर्दी-जुकाम, बुखार परेशान कर सकते हैं। कुछ काम अटकने से मन में चिड़चिड़ाहट रहेगी। प्रेम संबंधों में सतर्क रहें। दांपत्य जीवन में तनाव पैदा होगा।

धनु : वसरों का लाभ उठाने का प्रयास करें, वरना पीछे रह जाएंगे। नौकरी, कारोबार में आगे बढ़ने के तमाम अवसर मिल रहे हैं लेकिन आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे। सप्ताह मानसिक और शारीरिक रूप से थकाने वाला रहेगा। पारिवारिक समागम का अवसर आएगा। मांगलिक प्रसंगों में शामिल होंगे।

मकर : कुछ बातों को लेकर उलझन का अनुभव करेंगे। किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाएंगे। आजीविका के संबंध में कोई निर्णय लेना हो तो परिवार के अनुभवी लोगों की सहायता लें। नौकरी और कारोबार उत्तम रहेगा। समाज, परिवार में मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। यात्राओं के योग बन रहे हैं।

कुंभ : सप्ताह थकाने वाला रहेगा। कार्य के सिलसिले में यात्राएं करनी पड़ेंगी। पारिवारिक कार्यो से भी भागदौड़ करनी पड़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को तनावपूर्ण स्थितियों से गुजरना पड़ेगा। नौकरी में दबाव अनुभव करेंगे। कारोबारियों का काम मंदा पड़ेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। निवेश से नुकसान होगा। स्वास्थ्य गड़बड़ा सकता है।

मीन : सप्ताह मिलाजुला रहेगा। कुछ काम गति पकड़ेंगे तो कुछ अटक सकते हैं। नए अवसरों के साथ चुनौतियां भी आएंगी। उनका सामना हिम्मत से करना होगा। शारीरिक और मानसिक थकान रहेगी। आर्थिक स्थिति गड़बड़ा सकती है। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पारिवारिक समागम होगा।

चुटकुले

पप्पू- बॉस ये जींस मस्त लग रही है आप पर।
बॉस- लेकिन फिर आज जल्दी छुट्टी नहीं मिलेगी।
पप्पू- बॉस सिर्फ जींस अच्छी लग रही है, मुंह वैसा का वैसा ही है।

मास्टर जी - अगर कोई क्लास के सामने बम रख जाए,
तो मोनू तुम क्या करोगे?
मोनू - 10-15 मिनट पहले इंतजार करेंगे,
अगर कोई ले जाता है, तो ठीक है...
नहीं तो इसे स्टाफ रूम में रख देंगे

भारत का ऑपरेशन 'देवी शक्ति'; अफगान नागरिकों सहित 110 लोगों को एयरलिफ्ट किया

भारत सरकार ने ऑपरेशन देवी शक्ति के तहत काबुल से हिंदू, सिख अफगान नागरिकों समेत करीब 110 लोगों को एयरलिफ्ट किया है। इन्हें ला रही फ्लाइट आज दोपहर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान के ऐतिहासिक गुरुद्वारों से 3 श्री गुरु ग्रंथ साहिब और काबुल के 5 वीं शताब्दी के असमाई मंदिर से हिंदू धर्म ग्रंथों को भी भारत लाया जा रहा है। इनमें रामायण, महाभारत और भगवद गीता शामिल है। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन के एक सवाल का जवाब देते हुए विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने कहा कि विदेश मंत्रालय के अधिकारी वहां छूटे भारतीयों के संपर्क में हैं। हालांकि, एयरलिफ्ट किए गए लोगो में कुछ अफगान नागरिकों के शामिल होने की पुष्टि नहीं की गई है।

PM मोदी ने बाइडेन की डेमोक्रेसी समिट में हिस्सा लिया

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' में भाग लेते हुए, PM मोदी ने गुरुवार को कहा कि लोकतांत्रिक भावना भारतीयों में निहित है। PM मोदी उन 12 नेताओं में से एक थे, जिन्हें गुरुवार को 'समिट फॉर डेमोक्रेसी' के पहले दिन अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन की तरफ से आयोजित वर्चुअल समिट के पूर्ण सत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस सत्र में भारत सहित 12 चुनिंदा देश शामिल हुए।

चीन ने टेनिस स्टार पेंग शुआई का इंटरनेट रोका; पेंग ने पूर्व उप-प्रधानमंत्री पर लगया था यौन उत्पीड़न का आरोप

चीनी सरकार न्यूज सेंसर करने के लिए जानी जाती है। चीन ने ऑनलाइन जाने के 20 मिनट बाद टेनिस स्टार पेंग शुआई का इंटरनेट रोक दिया। पेंग शुआई ने आनलाइन जाकर पूर्व उप-प्रधानमंत्री झांग गाओली पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। पिछले महीने पेंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर कहा था कि पूर्व उप प्रधानमंत्री झेंग गाओली ने लगातार इनकार करने के बावजूद उनके साथ यौन संबंध बनाया। हालांकि, सरकार ने इस पोस्ट को सोशल मीडिया से हटा दिया, साथ ही चीनी मीडिया में भी इस खबर को दबा दिया गया। जब भी चीनी इंटरनेट पर ऐसी खबरें आती हैं, तो सेंसर हरकत में आ जाते हैं और खबरों को दबा देते हैं।

निकारागुआ ने ताइवान के साथ राजनयिक संबंध तोड़े; ताइवान को बताया चीन का हिस्सा

निकारागुआ की सरकार ने गुरुवार को ताइवान के साथ अपने राजनयिक संबंध खत्म कर दिए। रिपोर्ट के मुताबिक, निकारागुआ के विदेश मंत्री डेनिस मोनकाडा ने कहा कि हमारी सरकार मानती है कि दुनिया में केवल एक ही चीन है। उन्होंने कहा कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना ही पूरे चीन का प्रतिनिधित्व करती है और ताइवान चीन का हिस्सा भर है। निकारागुआ की सरकार आज से ताइवान के साथ राजनयिक संबंध तोड़ती है और किसी भी आधिकारिक संबंध को बंद करती है।

दिल्ली-NCR की एयर क्वालिटी आज 'खराब' कैटेगरी में

दिल्ली-NCR में एयर क्वालिटी आज 'खराब' कैटेगरी में है। वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान व अनुसंधान प्रणाली (SAFAR) के मुताबिक दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) आज 293 (खराब कैटेगरी में) है। हवा खराब होने की वजह से धुंध है। कल दिल्ली में AQI 208 थी, जो खराब कैटेगरी में आता है।

PM केयर्स फंड को लेकर दो याचिकाओं पर दिल्ली हाईकोर्ट में आज होगी सुनवाई

PM केयर्स फंड को सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम के तहत एक राज्य और सार्वजनिक प्राधिकरण घोषित करने संबंधी याचिकाओं पर आज दिल्ली हाई कोर्ट सुनवाई करेगी। जस्टिस डी. एन. पटेल और जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता सम्यक गंगवाल द्वारा पहले सुनवाई के अनुरोध वाले आवेदन को मंजूर करते हुए कहा था, 'मामले के तथ्यों को देखते हुए, हमने आवेदन मंजूर कर लिया है और सुनवाई की तारीख पहले खिसकाकर 10 दिसंबर कर दी है।'

रांची एयरपोर्ट पर बड़ा विमान हादसा टला

झारखंड की राजधानी रांची में गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया। यहां बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एयर एशिया के विमान से तेल लीक हो गया। इसका पता तब चला जब लैंडिंग के बाद ब्रेक लगाने के दौरान पैसेंजर्स को तेज झटका लगा। इसके बाद एप्रन पर प्लेन के लैंडिंग गियर से तेल के रिसाव के बारे में पता चला। जानकारी के मुताबिक, मुंबई से रांची आ रही एयर एशिया की फ्लाइट ने गुरुवार की सुबह 11:25 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लैंडिंग की थी। लैंडिंग के बाद विमान के एप्रन पर पहुंचने के बाद इस घटना का पता चला। इस विमान में 110 यात्री सवार थे।

दिल्ली में एक और गोवा में तीन लोग कोरोना पॉजिटिव

इसके साथ ही राजस्थान में ओमिक्रॉन संक्रमित हुए शख्स के संपर्क में आई महिला दिल्ली में कोरोना संक्रमित पाई गई है। उसे लोक नारायण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, ब्रिटेन से फ्लाइट के जरिए गोवा एयरपोर्ट पहुंचे तीन पैसेंजर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से एक भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक है।

जयपुर में सभी 9 ओमिक्रॉन मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव

राजस्थान के जयपुर में ओमिक्रॉन संक्रमित सभी 9 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। गुरुवार को उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई। राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सभी 9 लोग पूरी तरह स्वस्थ और बिना लक्षणों के हैं। उनके खून, CT स्कैन और अन्य टेस्ट नॉर्मल आए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें 7 दिन क्वारैंटाइन में रहने को कहा गया है।

कर्नाटक में कोरोना क्लस्टर्स और होस्टल्स के लिए अलग-अलग गाइडलाइन

कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बताया कि राज्य में कोरोना के मैनेजमेंट के लिए छात्रों के होस्टल और कोरोना क्लस्टर्स के लिए अलग-अलग गाइडलाइन्स जारी की जाएंगी। उन्होंने बताया कि एक्सपर्ट कमेटी के साथ बैठक करने के बाद कोरोना की मौजूदा स्थिति के बारे में जानकारी जुटा ली गई है।

जामनगर में ओमिक्रॉन के दो नए मामले सामने आए, जिम्बाब्वे से आए व्यक्ति के संपर्क में आई पत्नी और साला भी संक्रमित

देश में कर्नाटक के बाद गुजरात में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन का एक मामला 2 दिसंबर को सामने आया था। अब इसी मरीज के संपर्क में आई पत्नी और साला भी ओमिक्रॉन से संक्रमित हो गए हैं। बता दें, ओमिक्रॉन से संक्रमित मिला 72 वर्षीय शख्स 28 नवंबर को जिम्बाब्वे से जामनगर आया था। स्वास्थ्य बिगड़ने पर 2 दिसंबर को उन्होंने कोरोना जांच करवाई थी। रिपोर्ट पॉजीटिव आने पर सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए पुणे की लैब भेजे गए थे, जहां उनके नए वैरिएंट से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद पत्नी और साले की भी कोरोना रिपोर्ट पॉजीटिव आई और जीनोम सिक्वेंसिंग में इन्हें भी नए वैरिएंट से संक्रमित पाया गया है। सोसाइटी को किया गया क्लस्टर वहीं, इनके संपर्क में आए अन्य लोगों को होम आइसोलेशन में रहने के निर्देश दिए गए हैं। क्योंकि, प्राथमिक टेस्टिंग में सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई है। सभी

लोग स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में हैं। इसके अलावा सुरक्षा के मद्देनजर सोसाइटी को कलस्टर घोषित कर दिया गया है। संपर्क में आने वालों की पहचान जारी जिम्बाब्वे दक्षिण अफ्रीका का पड़ोसी देश है। दक्षिण अफ्रीका में ही सबसे पहले ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई थी। इसके चलते केंद्र सरकार ने 1 दिसंबर से लागू की नई गाइडलाइंस में दक्षिण अफ्रीका के आसपास के सभी देशों को 'एट रिस्क कंट्रीज' में शामिल किया है। इन देशों से आने वाले सभी लोगों का एयरपोर्ट पर ही RT-PCR टेस्ट कराया जा रहा है। राजस्थान में सभी 9 मरीज ठीक राजस्थान के जयपुर में ओमिक्रॉन संक्रमित सभी 9 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। गुरुवार को उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई। राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सभी 9 लोग पूरी तरह स्वस्थ और बिना लक्षणों के हैं। उनके खून, CT स्कैन और अन्य टेस्ट नॉर्मल आए हैं। डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें 7 दिन क्वारैंटाइन में रहने को कहा गया है।

रफ्तार ने छीनी 5 जिंदगियां

खेड़ा जिले में तेज रफ्तार कार की टैंकर से टक्कर में 5 युवकों की मौत, ओवरटेक करने के चक्कर में हुआ हादसा

खेड़ा जिले की कथलाल तहसील में गुरुवार की देर रात हुए दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा कार और टैंकर के बीच टक्कर के चलते हुए। कार में पांच युवक सवार थे। मृतक अहमदाबाद के वीरमगाम तालुका और सुरेंद्रनगर जिले के लखतार तालुका के रहने वाले हैं।

ओवरटेक करने के चक्कर में हुआ हादसा

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कार सवार युवक सुरेंद्रनगर से अहमदाबाद की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कथलाल में कपडवंज रोड पर कार (जीजे 27 एए 4715) ने ओवरटेक करने की कोशिश की और सामने से आ रहे टैंकर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पूरी कार के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला, जिनमें से चार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस का प्रशंसनीय कार्य-बड़ौदा से आई युवती ऑटो में भूल गई 8 लाख के गहनों से भरा बैग, पुलिस ने सीसीटीवी की मदद से खोज निकाला

सूरत पुलिस ने प्रशंसनीय काम किया है। एक युवती बड़ादा से सूरत अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए आई थी। वह ऑटो में बैठकर सूरत स्टेशन आई थी। युवती के उतरने के बाद ऑटोचालक वहां से चला गया। ऑटो से उतरने के बाद युवती को याद आया कि वह अपना बैग भूल गई है। उसके पैरों तले से जमीन खिसक गई, क्योंकि बैग में 8 लाख के गहने थे। युवती तुरंत महिधरपुरा थाने पहुंच गई और पुलिस को पूरी घटना बताई। पुलिस ने समय गवाएं बगैर शिकायत दर्ज कर तलाश में जुट गई। पुलिस ने सूरत स्टेशन और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद करीबन 10-12 घंटे में यवती की बैग खोज निकाली। बैग वापस मिलने के

बाद युवती ने राहत की सांस ली।

ये है मामला: पुलिस ने नंबर के आधार पर जांच की तो परवत पाटिया में मिला ऑटोचालक

महिधरपुरा थाने के सब इंस्पेक्टर एनजी मोढ़वड़िया ने बताया कि बड़ौदा की रहने वाली हेनी पटेल अपनी माता और बहनों के साथ रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने के लिए आई थी। उसकी मां और बहने एक ऑटो में बैठकर चली गई थी। इसके बाद वह वालक पाटिया से एक ऑटो में बैठी और सूरत रेलवे स्टेशन पर आकर उतर गई। कुछ देर बाद उसे याद आया कि बैग ऑटो में भूल गई है। बैग में सोने-चांदी के गहने और नकदी समेत 8 लाख रुपए के सामान थे। हेनी पटेल तुरंत महिधरपुरा थाने गई और पुलिस को पूरी घटना बताई। पुलिस ने तुरंत ही टीम बनाकर जांच शुरू कर दी। सूरत रेलवे स्टेशन से लेकर वालक पाटिया तक सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, पर कुछ हाथ नहीं लगा। इसके बाद कंट्रोल रूम में लगे कैमरों की जांच की गई तो हेनी जिस ऑटो में बैठकर आई थी उसका रजिस्ट्रेशन नंबर मिला। पुलिस नंबर के आधार पर परवत पाटिया में ऑटोचालक के घर तक पहुंच गई। पुलिस ने उससे बैग के बारे में पूछताछ की तो उसने कहा कि- मुझे कुछ पता नहीं है। इसके बाद पुलिस ने ऑटो में सीट के पीछे जांच तो बैग पड़ा था। बैग की जांच करने पर सब सामान सुरक्षित था। पुलिस ने बैग युवती को लौटा दिया। युवती ने सूरत पुलिस के कामों की प्रशंसा करते हुए ऑटोचालक के प्रति आभार जताया।

नॉनवेज ठेलों के खिलाफ कार्रवाई-गुजरात हाईकोर्ट की अहमदाबाद मनपा को फटकार, किया सवाल- मुझे क्या खाना है, यह आप कैसे तय कर सकते हैं?

गुजरात हाईकोर्ट ने नॉनवेज के ठेलों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) को गुरुवार को कड़ी फटकार लगाई। जस्टिस बिरेन वैष्णव की कार्ट ने सवालिया लहजे में कहा- 'मुझे क्या खाना है यह आप कैसे तय कर सकते हैं? आपको नॉनवेज पसंद नहीं है, यह आपका दृष्टिकोण है। आप किसी व्यक्ति को उसकी पसंद का भोजन लेने से कैसे रोक सकते हैं। अचानक कोई सत्ता में आ जाए और उसे जो करवाना हो, वह दूसरों से करवाएगा? क्या अन्य लोगों को उसकी मर्जी के अनुसार

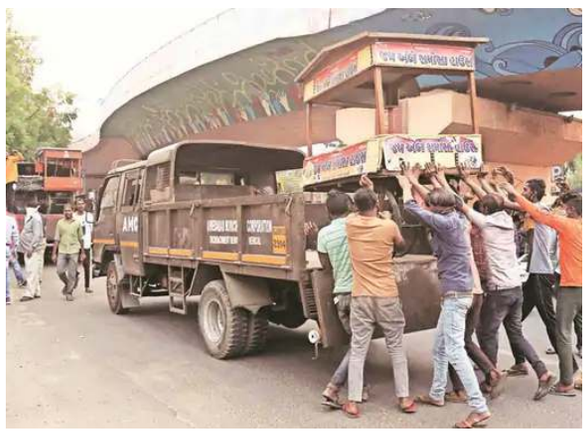

चलना होगा? कल सुबह आप यह तय करें कि मुझे बाहर जाकर क्या खाना खाना चाहिए? मुझे यदि कल गन्ने का रस पीने की इच्छा होती है, तो आप यह कहेंगे कि शुगर हो जाएगी, इसलिए नहीं पीना।'कोर्ट में गुरुवार को अहमदाबाद मनपा ने अपना पक्ष रखा। दलील दी- 'सड़कों पर अतिक्रमण हटाने के लिए मनपा ने ठेलां का उठाया है।' इस पर कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि किसी सत्ताधीश को रात में सपना आता है कि ठेला उठाना है, तो क्या उठा लेंगे? ये सब क्यों करते हैं? कुछ लोगों के अहंकार के पोषण के लिए आपने मुहिम छेड़ी है, वह बंद कर दीजिए। जिन ठेलों पर लाल रंग है, क्या उन्हें ही हटाने को कहा गया है? हरे रंग के ठेले को क्यों नहीं? क्या शाकाहारी ठेलों पर ही स्वच्छता मापदंड का पालन हा रहा है? मनपा ने कार्ट को आश्वासन दिया कि जो भी ठेले हटाए गए हैं, उनके आवेदन करने के 24 घंटे में ही उन्हें सुपुर्द कर देंगे।

प्रवेश शुरू-यूनिवर्सिटी में डबल एंट्री सिस्टम, बीसीए में प्रवेश के लिए सबसे ज्यादा 102 आवेदन आए

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात यूनिवर्सिटी ने डबल एंट्री सिस्टम के तहत वर्ष में दो बार प्रवेश देने की शुरुआत कर दी है। डबल एंट्री सिस्टम के तहत ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के अलग-अलग कोर्सों के लिए आवेदन मंगाए गए थे। बहुत से छात्रों ने आवेदन कर दिए हैं, लेकिन यूनिवर्सिटी ने आवेदन की तारीख दिसंबर तक बढ़ा दी है। यूनिवर्सिटी के मुताबिक सबसे ज्यादा आवेदन बीसीए में प्रवेश के लिए आए हैं। जनवरी में होने वाले बीसीए के प्रवेश के लिए अब तक 102 छात्रों ने आवेदन किया है। इसके अलावा एमकॉम में 24, एमएससी केमेस्ट्री में 14, बीए में 16, बीकॉम में 42, बीएससी में 30 छात्रों ने आवेदन किया है। अभी प्रवेश प्रक्रिया जारी है, इसलिए आवेदनों की संख्या बढ़ेगी। यूनिवर्सिटी की तरफ से डबल एंट्री सिस्टम के लिए कॉलेजों से भी आवेदन मंगाए गए हैं, जिसकी आखिरी तारीख 30 दिसंबर है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर:ग्रामीणों ने रास्ता देने की मांग करते हुए साइट पर हंगामा किया, फिर ट्रैक्टर में आग लगा दी, 16 घंटे काम बंद रहा

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन इंडिया लि. (डीएफसीसीआईएल) के दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर का काम शहर में तेजी से चल रहा है। वहीं, ग्रामीण किसी न किसी मांग को लेकर आए दिन विरोध-प्रदर्शन और हंगामा कर रहे हैं। इतना ही नहीं मारपीट और आगजनी पर उतारू हो जाते हैं। गुरुवार को ऐसा ही मामला सामने आया। डीएफसी के सचिन-मकरपुरा सेक्शन पर 131 किमी के पास रेल लाइन बिछाने का काम चल रहा है। ग्रामीणों ने सुबह-सुबह अब्रामा में जाकर हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीण रास्ते की मांग कर रहे थे। उनका का कहना था कि डीएफसी के काम की वजह से उन्हें खेतों तक जाने में परेशानी होती है। सारे रास्ते बंद हो गए हैं। ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए साइट पर खड़े एक ट्रैक्टर में आग लगा दी। इससे लाइन बिछाने का काम बंद हो गया। मौके पर 40 मजदूर काम कर रहे थे। ग्रामीणों के हंगामा के बाद मजदूर काम छोड़कर चले गए। इसी बीच ग्रामीणों ने मजदूरों और अधिकारियों के साथ हाथापाई भी की। हंगामे की वजह से 16 घंटे तक काम बंद रहा। अधिकारियों के समझाने के बाद ग्रामीण शांत हो गए। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी काम में रुकावट डालना ठीक

नहीं है। ये है मामला: ग्रामीण कह रहे थे- पहले रास्ता दो, फिर काम करो मौके पर मौजूद डीएफसी के अधिकारी ने बताया कि वह साइट का मुआयना करने आए थे। कॉन्ट्रेक्टर और 40 से अधिक मजदूर काम कर रहे थे। सुबह 9 बजे गांव के एक दर्जन से अधिक लोग वहां और कहने लगे कि रेलवे की लाइन बिछाने की वजह से उन्हें खेतों में जाने का रास्ता नहीं मिल रहा है। इतना कहने के बाद काम बंद करवा दिया। ग्रामीण कह रहे थे- पहले रास्ता दो, फिर काम शुरू करो। हमने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि सरकारी काम है, इसमें बाधा डालना ठीक नहीं है। आपकी जो भी समस्या है उसे लिखित में मुख्यालय में भेजिए। उसके बाद संज्ञान लिया जाएगा। ग्रामीण अपनी मांग को लेकर अड़े रहे। वह कुछ सुनने को तैयार नहीं थे। ग्रामीण अपना ट्रैक्टर डीएफसी के निर्माणाधीन रूट पर खड़ा करके उसमे आग लगा दी। इसमे बाद मजदूरों से हाथापाई करने लगे। मजदूर डरकर वहां से चले गए। अधिकारी बाले- अपनी मांगें लिखकर दा, उस पर विचार होगा

अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाते हुए कहा कि यह भारत सरकार का प्रोजेक्ट है। इसमें रुकावट डालना ठीक नहीं है। जो भी मांगें हैं उसे लिखकर दे दो, हम मुख्यालय तक पहुंचाएंगे। इसके बाद उस पर विचार करके निर्णय लिया जाएगा। ग्रामीण ने रास्ते की लिखित में मांग की। अधिकारियों ने आश्वस्त करते हुए कहा कि हम जल्द ही टेक्निकल फिजिबिलटी की जांच करके दोनों ओर एक-एक किलोमीटर तक रास्ता बनाने की कोशिश करेंगे। इसके बाद ग्रामीण शांत होकर घर लौट गए। ग्रामीणों के हंगामे के कारण 16 घंटे तक काम बंद रहा। बता दें, यहां रेल लाइन बिछाने का काम चल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जहां लाइन बिछाई जा रही है उसकी ऊंचाई बहुत ज्यादा है। दूसरी ओर जाने का रास्ता नहीं है। वे अपने खेतों में नहीं जा सकते हैं। ग्रामीणों ने अधिकारियों ने कहा कि ट्रैक के दोनों ओर एक-एक किलोमीटर का अस्थायी रास्ता बनाकर हमें दे दें।

SPORTS खेल जगत

रोहित को वनडे कप्तान बनाए जाने पर रवि शास्त्री का बयान- उन्हें हर खिलाड़ी का इस्तेमाल करना आता है

पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने रोहित को वनडे कप्तान बनाए जाने पर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा है कि रोहित को टीम में हर खिलाड़ी का इस्तेमाल करना आता है और वो वही करते हैं, जो टीम के लिए अच्छा होता है।

भारतीय चयनकर्ताओं ने विराट कोहली की जगह रोहित शर्मा को भारत का नया वनडे कप्तान बना दिया है और अब टी-20 के साथ-साथ वनडे की कप्तानी भी उनके पास आ गई है। बीसीसीआई के कई अधिकारियों का मानना है कि टी-20 और वनडे टीम के कप्तान अलग-अलग नहीं होने चाहिए। इसी वजह से विराट की जगह रोहित को वनडे टीम की कप्तानी दी गई है। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने चयनकर्ताओं के इस फैसले पर अपनी राय दी है। उन्होंने कहा है कि रोहित को टीम के हर खिलाड़ी का इस्तेमाल करना आता है और वो वही करते हैं, जो टीम के लिए अच्छा होता है। कोहली के कप्तान रहने के दौरान रवि शास्त्री भारत के कोच रहे थे। इस समय विराट ने तीनों फॉर्मेट में भारत की कप्तानी की थी और शास्त्री के साथ मिलकर उन्होंने कई उपलब्धियां भी हासिल की थी। हालांकि इस दौरान भारतीय टीम कोई आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत पाई थी। शास्त्री और विराट एक दूसरे को बेहतरीन तरीके से समझते हैं और टी-20 वर्ल्डकप के बाद शास्त्री ने कहा था कि विराट वनडे की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं। रोहित को भारत का वनडे कप्तान बनाए जाने के बाद द वीक से बातचीत में शास्त्री ने कहा कि वह लोगों को प्रभावित करने के बारे में नहीं सोचते हैं। वह हमेशा वही करने की कोशिश करते हैं, जो टीम के हित में होता है और उन्हें टीम में मौजूद हर खिलाड़ी का इस्तेमाल करना आता है। कैसा है रोहित का रिकॉड रोहित ने अब तक 10 वनडे मैचों में टीम इंडिया की कमान संभाली है और आठ बार भारत को जीत दिलाई है, जबकि दो मैचों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं टी-20 में रोहित ने 22 मैचों में टीम इंडिया की कप्तानी की है और 18 में भारत को जीत दिलाई है। वहीं चार मैचों में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा है।

मलान-रूट के अर्धशतकों से संभला इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया से 58 रन पीछे है इंग्लिश टीम

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच ब्रिस्बेन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच का तीसरा इंग्लैंड के बल्लेबाजों को नाम रहा। पहली पारी में सस्ते में आउट होने वाले इंग्लिश खिलाड़ियो में दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी की। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर इंग्लैंड ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 220 रन बना लिए। कप्तान जो रूट और डेविन मलान अर्धशतक लगाकर नाबाद हैं। हालांकि कंगारू टीम के पास अभी 58 रनों की बढ़त बरकरार है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 425 रन बनाए थे और उसे इंग्लैंड की पहली पारी के आधार पर 278 रनों की बढ़त मिली। रूट-मलान अर्धशतक लगाकर नाबादतीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर इंग्लैंड के कप्तान और भरोसेमंद बल्लेबाज जो रूट 86 रन बनाकर नॉट आउट हैं। उन्होंने अपनी पारी में अब तक 10 चौके लगाए हैं। दूसरे छोर पर उनका साथ डेविड मलान दे रहे हैं। वह भी अपनी पारी में 10 चौके लगा चुके हैं। यह दोनों बल्लेबाज अब तक 159 रनों की साझेदारी कर चुके हैं। स्टार्क-कमिंस को मिला 1-1 विकेटऑस्ट्रेलिया की तरफ से मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस एक-एक विकेट लेने में सफल रहे। स्टार्क ने जहां सलामी बल्लेबाज हसीब हमीद को 27 रनों पर आउट किया

वहीं कप्तान पैट कमिंस ने 13 रनों पर रोरी बर्न्स के पवेलियन की राह दिखाई। इन दोनों गेंदबाजों के अलावा ऑस्ट्रेलिया का कोई भी बॉलर विकेट लेने में सफल नहीं रहा। ऑस्ट्रेलिया ने बनाए 425 रनइससे पहले कंगारू टीम ने टेस्ट मैच की पहली इनिंग्स में 425 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ट्रेविड हेड ने 152 रनों की पारी खेली। उनके अलावा डेविड वार्नर 94, मार्नस लाबुशाने 74 रन बनाकर आउट हुए। निचले क्रम में मिशेल स्टार्क ने 35 रनों की उपयोगी पारी खेली। इन सभी बल्लेबाजों के योगदान के चलते ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली इनिंग्स में 425 रन बनाने में सफल रहा।

ड्रेविस हेड ने बनाए 152 रनट्रेविस हेड ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्होंने शानदार बैटिंग करते हुए 152 रनों पारी खेली।

इस दौरान वह एशेज सीरीज का तीसरा सबसे तेज शतक लगाने में सफल रहे। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने पर हेड 112 और मिशेल स्टार्क 10 रन बनाकर नाबाद रहे थे। वहीं, तीसरे दिन ट्रेविड 152 रन बनाकर आउट हुए जबकि, स्टार्क ने 35 रनों की पारी खेली। कुल मिलाकर तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपनी पारी में 82 रन जोड़े।

रोबिनसन-वुड की बेहतरीन गेंदबाजीऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में इंग्लैंड के सबसे कामयाब गेंदबाज ओली रॉबिनसन और मार्क वुड रहे।

इन दोनों ने शानदार बॉलिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया के तीन-तीन विकेट लिए। इसके अलावा क्रिस वोक्स को दो विकेट मिले। जबकि, जैक लीच और जो रूट 1-1 खिलाड़ी को आउट करने में सफल रहे। बेन स्टोक्स इस मुकालबे में अनलकी रहे और वह कोई भी विकेट नहीं ले पाए।

टेनिस का नया सत्र-एश्ले बार्टी की एडिलेड से होगी नए सीजन की शुरुआत, ओसाका-रादुकानू मेलबर्न में करेंगी आगाज

दुनिया की नंबर वन महिला टेनिस खिलाड़ी अपने 2022 के सीजन की शुरुआत एडिलेड इंटरनेशनल

टेनिस टूर्नामेंट से शुरुआत करेंगी। इस प्रतियोगिता के तहत वह जनवरी के पहले सप्ताह में टेनिस कोर्ट पर नजर आएंगी। इसकी जानकारी खुद टूर्नामेंट के आयोजकों ने दी है। इस साल विंबलडन का खिताब जीतने वाली बार्टी ने आखिरी बार यूएस ओपन में भाग लिया था। इसके बाद उन्होंने किसी भी टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया। बार्टी मिला प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्डविश्व की शीर्ष वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी को 2021 में पांच खिताब जीतने के बाद इस सप्ताह डब्ल्यूटीए प्लेयर ऑफ द ईयर नामित किया गया था। एडिलेड इंटरनेशनल प्रतियोगिता में उनके अलाला इगा स्वितेक, विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी गार्बिन मुगुरुजा और कैरोलिना शामिल होंगी। मेलबर्न से आगाज करेंगी ओसाका-रादुकानूऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका और यूएस ओपन विजेता एमा रादुकानू मेलबर्न पार्क में दो सप्ताह से अधिक समय तक होने वाले दो महिला अभ्यास टूर्नामेंट में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिन्हें मेलबोर्न समर सेट कहा गया है।

धोखाधड़ी-केवाईसी अपटेड के नाम विनोद कांबली से ठगी, पूर्व क्रिकेटर से जालसाजों ने उड़ाए लाखों

भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली जालसाजों के हाथ ठगी का शिकार हो गए। इस दौरान धोखाधड़ी करने वालों ने उनके एक लाख से ज्यादा रुपये उड़ा दिए। इस घटना को लेकर बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक अनजान व्यक्ति के नाम एफआईआर दर्ज की गई। विनोद कांबली के साथ यह धोखाधड़ी केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर हुई। जालसाजों ने इस दौरान उनके अकाउंट से 1,13,998 रुपये उड़ा दिए। तीन दिसंबर की घटनापूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली के साथ यह घटना 3 दिसंबर को हुई थी। इसी दिन एक कांबली के पास फोन कर अपने आपको प्राइवेट बैंक का अधिकारी बताया। इस दौरान फोन करने वाले धोखेबाज व्यक्ति ने उनसे बैंक डिटेल मांगी जिसके चलते उनका केवाईसी अपडेट किया जा सके। कांबली ने भरोसा करते हुए

अपनी बैंक डिटेल दे दी। फिर क्या था इसके बाद उस व्यक्ति ने कांबी के अंकाउंट से एक लाख से अधिक रुपये का चूना लगा दिया। पुलिस ने पैसे दिलाने में मदद कीइसके बाद विनोद कांबली ने बांद्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद उसने साइबर पुलिस और बैंक की मदद से खाते से उड़ाए गए सभी पैसे वापस करा लिए। अब पुलिस उस अकाउंट होल्डर की डिटेल खंगाल रही है जिसके खाते में उस व्यक्ति ने पैसे ट्रांसफर किए थे। इस दौरान विनोद कांबली ने कहा, जैसे ही मेरे फोन पर अंकाउंट से पैसे कटने का मैसेज आया मैंने तुरंत कस्टमर केयर से बात की और खाते को बंद करा दिया। इसके बाद पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्द कराई। उन्होंने आगे कहा कि मैं पुलिस का बहुत-बहुत शुक्रिया अदा करता हुं जिसके माध्यम से मेरे पैसे मुझे वापस मिल गए।

देश परदेश

ओमिक्रॉन से नहीं बचा पा रहा बूस्टर डोज?-सिंगापुर में तीसरी खुराक ले चुके 2 लोग नए वैरिएंट से संक्रमित मिले, सरकार ने जताई चिंता

सिंगापुर के स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि दो मरीज सामने आने के बाद और भी मामले सामने आने की आशंका है।

बूस्टर डोज ले चुके सिंगापुर के दो नागरिकों की ओमिक्रॉन वैरिएंट की शुरुआती रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गरुवार को बताया कि हवाई अड्डे पर परीक्षण के दौरान एक 24 वर्षीय युवती की शुरुआती रिपोर्ट में ओमिक्रॉन की पुष्टि हुई है। वहीं छह दिसंबर को जर्मनी से लौटे एक यात्री में भी ओमिक्रॉन मिला है। इस व्यक्ति ने भी कोविड-19 टीके की तीसरी खुराक ली थी। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि पूरी दुनिया में ओमिक्रॉन वैरिएंट के संक्रमण को देखकर आशंका जताई जा रही है कि देश में भी ओमिक्रॉन के अन्य मामले सामने आ सकते हैं। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि ओमिक्रॉन के लक्षण सामने आने के बाद दोनों संक्रमितों को राष्ट्रीय संक्रामक रोग केंद्र में रखा गया है, जहां उनका उपचार किया जा रहा है। वहीं उनके संपर्क में आने वाले लोगों को 10 दिन तक आइसोलेशन में

रखा जाएगा। फाइजर व बायोटेक ने जताई थी तीसरी डोज की आवश्यकता इसी सप्ताह की शुरुआत में वैक्सीन बनाने वाली कंपनी फाइजर व बायोटेक ने शुरुआती अध्ययन के नतीजों के आधार पर दावा किया था कि ओमिक्रॉन वैरिएंट से निपटने के लिए तीसरी डोज की आवश्यकता होगी। दवा निर्माता कंपनियों की ओर से कहा गया था कि, कोरोना वैक्सीन की तीसरी खुराक लेने वाले लोग दो खुराक लेने वालों की तुलना में ओमिक्रॉन को 25 प्रतिशत ज्यादा तक निष्क्रिय कर सकते हैं। सिंगापुर में 87 प्रतिशत लोगों को लग चुकी है वैक्सीनि संगापुर दुनिया के सबसे अच्छे टीकाकरण अभियान वाले देशों में से एक है। यहां 87 प्रतिशत लोगों का पूरी तरह से टीकाकरण किया जा चुका है। वहीं करीब 29 प्रतिशत लोगों को बूस्टर डोज भी लगाया जा चुका है। सरकार जल्द ही पांच से 11 साल के बच्चों के लिए भी कोरोना की खुराक शुरु करने जा रही है।

स्टडी-कोरोना के खिलाफ दो दवाएं प्रभावी, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय ने शोध में किया खुलासा

फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने प्रारंभिक परीक्षण में दो मेडिसिन को कोरोना संक्रमण के खिलाफ असरदार माना है। डिपेनहाइड्रामाइन और एंटीहिस्टामाइन। ये दोनों एलर्जी के लक्षणों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दवाएं है।

कोरोना के खिलाफ पिछले दो सालों से रिसर्च जारी है। अमेरिका में ताजा रिसर्च में खुलासा हुआ है कि ये दोनों दवाएं कोविड-19 के खिलाफ प्रभावी है। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने प्रारंभिक परीक्षण में दो मेडिसिन को कोरोना संक्रमण के खिलाफ असरदार माना है। डिपेनहाइड्रामाइन और एंटीहिस्टामाइन। ये दोनों एलर्जी के लक्षणों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दवाएं है।शोधकर्ताओं ने कहा कि गाय और मानव दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन लैक्टोफेरिन के साथ दवाओं को मिक्स किया गया और बंदर कोशिकाओं और मानव फेफड़ों की कोशिकाओं पर इसका परीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि कोरोना संक्रमण अपना प्रभाव दिखाने में यहां विफल रहा। शोधकर्ताओं ने कहा कि मानव और बंदर कोशिकाओं पर प्रयोगशाला परीक्षणों में, दवाओं का संयोजन विशेष रूप से शक्तिशाली था। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय एसोसिएट प्रोफेसर ओस्ट्रोव ने कहा कि कुछ दवाएं SARS-CoV-2 संक्रमण को रोकती हैं। इसमें ये दोनों दवाएं भी शामिल हैं। "शोधकर्ताओं के अनुसार, लैक्टोफेरिन आमतौर पर पेट और आंतों के अल्सर के इलाज के लिए अन्य उपयोगों के साथ पूरक के रूप में उपयोग किया जाता है। हालांकि, प्रोफेसर ओस्ट्रोव ने लोगों से अभी COVID-19 की रोकथाम या इलाज के तौर पर डिपेनहाइड्रामाइन या लैक्टोफेरिन के इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा-अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को मिला आब्जर्वर का दर्जा, तिरुमूर्ति बोले- ऐतिहासिक निर्णय

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) को आब्जर्वर का दर्जा दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी राजदूत टी एस तिरुमूर्ति ने ट्वीट करके ये जानकारी दी। टी एस तिरुमूर्ति ने इसे ऐतिहासिक निर्णय बताते हुए कहा कि आइएसए वैश्विक ऊर्जा बढ़ोतरी और विकास के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है। तिरुमूर्ति ने अपने ट्वीट में लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन को आब्जर्वर का दर्जा देने

का संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ऐतिहासिक निर्णय लिया है। छह वर्षों में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक ऊर्जा विकास और वृद्धि के लाभ के लिए साझेदारी के माध्यम से सकारात्मक वैश्विक जलवायु कार्रवाई का एक उदाहरण बन गया है। सभी सदस्य देशों को धन्यवाद।'अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) की चौथी आम सभा इससे पहले अक्तूबर में आयोजित की गई थी। जिसमें कुल 108 देशों ने हिस्सा लिया। इनमें 74 सदस्य देश और 34 आब्जर्वर और संभावित देश शामिल हैं। 23 सहयोगी संगठन और 33 विशेष आमंत्रित संगठन भी शामिल हुए थे। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आइएसए) का एलान प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने नवंबर 2015 में पेरिस में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के 21 वें सत्र में की था।

अमेरिका-ब्लैक होल और विस्फोट करने वाले तारों आदि के अध्ययन के लिए नासा ने नई एक्स-रे वेधशाला लॉन्च की

अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक नए एक्स रे मिशन (आईएक्सपीई) को लांच किया है। यह मिशन अंतरिक्ष में होने वाली कई रहस्यमयी घटनाओं को उजागर करने में कारगर साबित होगा। इससे ब्लैक होल, सुपरनोवा और ब्रह्मांड की प्रकृति के बारे में कई अहम जानकारी सामने आने में मदद मिलेगी। इस ऐतेहासिक एक्स-रे मिशन को सुबह एक बजे स्पेस एक्स कंपनी के फॉल्कन 9 के रॉकेट की मदद से नासा के केनेडी स्पेस सेंटर फ्लोरिडा से लांच किया गया है। यह मिशन नासा और इटली की अंतरिक्ष एजेंसी का संयुक्त कार्यक्रम है।इस मौके पर नासा ने कहा कि आईएक्सपीई एक्स-रे मिशन सुबह

1 बजे लंच हो गया है। यह मिशन अंतरिक्ष में होने वाली रहस्यमयी घटनाओं जेसे ब्लैक होल और न्यूट्रॉन तारे आदि के बारे में पता लगाने में मददगार साबित होगा। हालांकि, आईएक्सपीई नासा के एक्स रे टेलिस्कोप चंद्र एक्स-रे की तरह बड़ा और मजबूत नहीं है। इस मौके पर आईएक्सपीई के प्रिसिपल इन्वेस्टिगेटर मार्टिन वेसकॉफ ने कहा कि इस मिशन की शुरुआत एक्स-रे एस्ट्रोनॉमी के क्षेत्र में एक बड़ा कदम है। आईएक्सपीई मिशन हमे अंतरिक्ष में कॉस्मिक एक्स-रे के सटीक प्रकृति और मूल की जानकारी देगा।

अबु धाबी रिटर्न्स

\मुंबई, रेतीले शहर अबु धाबी में शूटिंग करना कोई मजाक नहीं है। दो-चार दिन की बात हो तो वक्त निकल भी जाए, पर अगर एक महीने तक वहां शूटिंग करनी हो तो बॉलीवुड सितारों के होश गुम हो जाते हैं। रितिक पूरे एक महीने तक अबु धाबी में फिल्म 'विक्रम वेधा' की शूटिंग करके लौटे हैं। सुना है कि कि अबु धाबी रिटर्न्स इस एक्टर ने वैâमरे के सामने काफी अच्छा परफॉर्म किया है। यह फिल्म २०१७ की एक तमिल एक्शन-थ्रिलर की रीमेक है। ओरिजिनल तमिल को पुष्कर और गायत्री की जोड़ी ने निर्देशित किया है और अब हिंदी वर्जन भी उन्हीं के हवाले है। हिंदी वर्जन पर उनका कहना है कि हम एक सुपर्ब टीम के साथ काम कर रहे हैं और उम्मीद है कि एक बहुत ही अच्छी फिल्म बनेगी और दर्शक इसे हाथों-हाथ लेंगे। भाई अब जब सुपरस्टार रितिक का साथ है तो दर्शकों का प्यार मिलना लाजमी है...

अप्सरा जाह्नवी

मुंबई, दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की बेटी एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी सोशल मीडिया एक्टिविटी और ग्लैमरस अवतार को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। सोशल मीडिया पर जाह्नवी अपनी खूबसूरत तस्वीरों से पैंâस का दिल लूटती ही रहती हैं और अब एक बार फिर वह ऐसा ही करती नजर आ रही हैं। जाह्नवी के लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं, जिनमें उनका ग्लैमरस अवतार देखते ही बन रहा है। फोटोज में जाह्नवी वाइन कलर के लहंगे में गजब के पोज दे रही हैं। इस फोटोशूट में वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं। ब्राउन लहंगे के सेट में जाह्नवी कपूर को देखकर एक नेटीजंस का कमेंट आया कि एकदम अप्सरा लग रही हो जाह्नवी...

डेजी की लॉटरी

मुंबई, कभी किसी स्टार का नुकसान किसी दूसरे स्टार को फायदा दे जाता है। अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीस एक ठग सुकेश चंद्रशेखर से अपने संबंधों को लेकर जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। हाल ही में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर लुकआउट नोटिस के कारण रोक दिया गया जब वह सलमान खान के 'दबंग टूर' के सिलसिले में गल्फ कंट्रीज के टूर पर जानेवाली थीं। ऐसे में दबंग टूर की टीम में हड़कंप मच गया। अब समस्या यह थी कि जैकलिन की जगह किसे रिप्लेस किया जाए क्योंकि अब उनका जाना संभव नहीं है।

सुनने में आ रहा है कि दबंग टीम ने डेजी शाह का नाम जैकलिन की जगह पर फाइनल किया है। हालांकि, अभी कोई अधिकृत घोषणा नहीं की गई है। बता दें कि दबंग टूर में सलमान के साथ शिल्पा शेट्टी, प्रभुदेवा, सई मांजरेकर और सुनील ग्रोवर जैसे नाम शामिल हैं। वैसे जैकलिन के विकल्प के तौर पर अगर डेजी शाह शामिल होती हैं तो यह डेजी के करियर के लिए भी अच्छा होगा और दबंग टीम को एक ग्लैमरस और अच्छा एक्टर भी मिल जाएगा यानी दोनों का भला...

भूमि की रक्षा

मुंबई, जिस भूमि पर हम रहते हैं, उसकी रक्षा करना और पर्यावरण को सहेजना हमारा परम कर्तव्य है। तभी हम अपनी आनेवाली नस्लों के लिए यह दुनिया बचा पाएंगे। अब अगर इस काम में अभिनेत्री भूमि पेडणेकर का भी साथ मिल जाए तो सोने पर सुहागा। आपको बता दें कि भूमि पेडणेकर पर्यावरण संवर्धन और रक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रहती हैं। हाल ही में 'वर्ल्ड सोल डे' के अवसर पर मध्य प्रदेश स्थित मुरैना के अभ्युदय आश्रम में १५ पेड़ लगाए गए और इस छोटी-सी बगिया को नाम दिया गया 'द भूमि गार्डन।' इस बात से प्रफुल्लित भूमि ने लिखा कि हम इस धरती के विषय में बच्चों को जो भी सिखाते हैं, पढ़ाते हैं, वह उन्हें बहुत अच्छी तरह से इंप्लीमेंट करते हैं। भूमि जब चंबल में एक फिल्म की शूटिंग कर रही थीं तो उन्हें इस संस्थान के बारे में पता चला था। इस संस्थान में 'स्पेशल चाइल्ड' को रखा जाता है और उनकी देखभाल व शिक्षण का कार्य किया जाता है। उन बच्चों ने जिस तरह से पर्यावरण के प्रति संवेदना दिखाई है, उसने भूमि पेडणेकर को अभिभूत कर दिया है...

उत्तर का 'थलाइवर'

मुंबई, फिल्म 'अतरंगी रे' जल्द ही रिलीज होनेवाली है। इस मूवी में अक्षय कुमार और साउथ के स्टार धनुष जैसे दिग्गज अभिनेताओं के साथ सारा अली स्क्रीन शेयर करेंगी। अब सारा ने हाल ही में खुलासा किया है कि वो अक्षय कुमार को 'उत्तर का थलाइवर' बुलाती हैं। उन्होंने इसकी वजह का भी खुलासा किया है। वे अक्षय की एनर्जी और उनके स्पार्क के कारण उन्हें ऐसा बुलाती हैं। इसके साथ ही सारा ने नेशनल अवॉर्ड विनिंग एक्टर धनुष को अपना इंस्पिरेशन बताया। अभिनेत्री ने कहा कि 'अतरंगी रे' की शूटिंग के दौरान वो अपने पैकअप के बाद भी सेट पर रुकी रहती थीं और धनुष के सीन्स को बैठकर देखती थीं। सारा ने बताया कि अक्षय और धनुष के साथ काम करने का अनुभव काफी मजेदार रहा। उन्होंने कहा, 'मैं अक्षय सर को उत्तर का थलाइवर कहकर बुलाती थी, क्योंकि वे एनर्जी से भरपूर हैं। धनुष सर प्रेरणा स्रोत हैं। वो एक्टिंग की एक संस्था हैं।

कृति सेनन बनीं अमिताभ बच्चन की किराएदार

अमिताभ बच्चन की गिनती बॉलीवुड के सबसे ज्यादा अमीर सितारों में की जाती है। अभी हाल ही में उन्होंने अपनी एक प्रॉपर्टी बैंक को किराए पर दी थी, जिसको लेकर वे सुर्खियों में थे। इस प्रॉपर्टी के अमिताभ को लाखों के हिसाब से किराया मिलने की खबर थी, तो अब खबर है जानी-मानी एक्ट्रेस कृति सेनन बिग-बी की किराएदार बन गई हैं। कृति ने अमिताभ का अंधेरी इलाके वाला ड्युप्लेक्स फ्लैट किराए पर लिया है। बताया जा रहा है कि इस फ्लैट में रहने के लिए कृति सेनन ने दो साल के लिए एग्रीमेंट साइन किया है। खबर है कि इस फ्लैट के लिए कृति भारी-भरकम सिक्योरिटी मनी चुकाई है, और इसी के साथ कृति हर महीने लाखों के हिसाब से किराया अदा करेंगी।

अमिताभ ने करोड़ो में खरीदा था ये फ्लैट-बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने साल 2020 में एक अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टी खरीदी थी, इसके बाद साल 2021 में इस प्रॉपर्टी को रजिस्टर करवाया गया था। खबरों के मुताबिक इस ड्युप्लेक्स लग्ज़री फ्लैट को अमिताभ बच्चन ने 31 करोड़ रुपये में खरीदा था। मुंबई के अंधेरी इलाके में स्थित अमिताभ बच्चन का ये ड्युप्लेक्स अपार्टमेंट 27वें और 28वें फ्लोर पर है। कृति सेनन देंगी इतने लाख किराया-सूत्रों के मुताबिक अमिताभ बच्चन के इस डुप्लेक्स फ्लैट के लिए कृति सेनन दस लाख रुपये महीना किराया देंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक कृति सेनन ने सिर्फ सिक्योरिटी के लिए 60 लाख रुपये अदा किए हैं। इस प्रॉपर्टी का एग्रीमेंट हो चुका है। कृति ने दो सालों के लिए इसे रेंट पर लिया है। आपको बता दें कि अमिताभ बच्चन ने सितंबर माह में अपनी जूहू वाली प्रॉपर्टी स्टेट बैंक इंडिया को किराए पर दी थी। बिग-बी ने ये प्रॉपर्टी बैंक को पंद्रह सालों के लिए किराए पर दी है और इसके लिए बैंक की तरफ से उन्हें 12 महीने का एडवांस किराया भी दिया गया है, जो करोड़ो में है।

शादी के बाद कटरीना कैफ और विक्की कौशल की हो जाएगी ऐसी हालत!

कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने अपनी शादी को ग्रैंड बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। दोनों ने राजस्थान में अपने परिवार और करीबी लोगों के बीच रजवाड़ा स्टाइल में शादी रचाई, जिसमें हर एक चीज का बारीकी से ध्यान रखा गया था। इस जगह पर दो दिनों तक कपल के प्री-वेडिंग फंक्शन चले थे, जिसमें उनके सिर्फ करीबी लोग शामिल हुए थे। इतना ही नहीं, दोनों ने अपनी शादी में टाइट सिक्योरिटी को रखा था। कटरीना कैफ और विक्की कौशल ने शादी के बाद अपनी वेडिंग तस्वीरें शेयर कर फैंस को खुश किया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। वहीं, इन सबके बीच कटरीना और विक्की के कुछ मजेदार वीडियो सामने आए हैं, जिसे देखकर आपकी भी हंसी छूट जाएगी क्योंकि इन वीडियोज में कटरीना कैफ और विक्की कौशल अपने घर का काम करते हुए नजर आ रहे हैं। इन वीडियोज पर फैंस जमकर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। दरअसल, एक वीडियो में कटरीना कैफ अपने घर का काम करती हुई नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके हाथ में झाड़ू है और वह अपने घर में झाड़ू लगा रही हैं। इसके बाद वह झाड़ू से ही क्रिकेट खेलती हुई नजर आ रही हैं। ये वीडियो एक्ट्रेस ने लॉकडाउन के दिनों में शेयर किया था, जिसे काफी पसंद किया गया था। वहीं, विक्की कौशल भी अपने वीडियो में घर का काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान वह घर के पंखे साफ कर रहे हैं। एक्टर ने भी ये वीडियो लॉकडाउन के दिनों में शेयर किया था, जिसमें उन्होंने छत के पंखे को पूरी तरह चमका दिया था। सोशल मीडिया पर फैंस दोनों के इस वीडियो को एक करके शेयर कर रहे हैं। कई यूजर ने इस वीडियो पर कमेंट कर शादी के साइड इफेक्ट्स की बात की है तो कुछ ने लिखा है कि शादी के बाद दोनों की ये हालत हो जाएगी। इतना ही नहीं, कई लोगों ने घर का 50-50 परसेंट काम करने की बात भी कही।

विक्की कौशल और कटरीना कैफ ने शादी के बंधन में बंधने के बाद एक जैसी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस दौरान दोनों ने कैप्शन भी एक जैसा ही लिखा, जो दोनों के प्यार को दर्शा रहा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे दिल में सिर्फ प्यार और आभार हर चीज के लिए जो हमें इस पल तक साथ लाया। आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की कामना करते हुए हम एक साथ नए सफर की शुरुआत कर रहे हैं।'

Aarya 2 Review-न्यू मिलेनियल्स की 'मदर इंडिया' बनी 'आर्या', अपनों के ही चक्रव्यूह की चौकस कहानी

हिंदी सिनेमा में हाशिये पर पहुंच चुकी हर हीरोइन या कहें कि 40 पार कर चुकी हीरोइनें इन दिनों ओटीटी पर 'मेर ऑफ ईस्टटाउन' होना चाहती हैं। सुष्मिता इस मामले में केट विस्लेंट से आगे हैं कि उन्होंने डच सीरीज 'पेनोजा' पर आधारित हिंदी वेब सीरीज 'आर्या' उससे पहले की। ओटीटी की बलिहारी है कि हिंदी दर्शकों को भी महिलाओं की समाज में प्रेम और विवाह से इतर भूमिका भी नजर आने लगी है। कामकाजी मांएं भी कहानियों की नायिकाएं बन रही हैं, ये एक स्वागत योग्य कदम है। दर्शकों ने सुष्मिता सेन की अदाकारी के पुनर्जन्म को 'आर्या' के पहले सीजन में हाथों हाथ लिया था, सीरीज हालांकि अपना रंग अब जाकर दूसरे सीजन में जमाने में कामयाब हो रही है। एक बिल्कुल निपट अनजान माहौल में आ फंसी तीन बच्चों की एक मां की अपनों के ही रचे चक्रव्यूह में घिरे होने की ये कहानी सिर्फ एक मां का संघर्ष नहीं है। ये मानवता, रिश्तों और रकीबों सब का संघर्ष है। यहां सब कुछ स्याह या सफेद नहीं है। हर किरदार कहीं बीच में अटका हुआ है। सही और गलत के बीच लटका हुआ है और इन धूसर रास्तों पर चलकर ही 'आर्या' का सीजन 2 एक ऐसे मोड़ पर आ टिका है जहां आगे की जानने की इच्छा फिर बलवती हो जाती है।

'आर्या' सिर्फ एक नाम नहीं है। आर्या सरीन एक बिम्ब है समाज की उन महिलाओं का जिन्होंने एक बड़े खानदान की बहू बनने के बाद भी अपनी पहचान को संजोने का जतन किया। कारोबारी घरानों के ग्लैमरस चेहरों के पीछे कितनी बदसूरतें छिपी होती हैं, ये इस कहानी का असली मर्म है। हर रिश्ते का एक क्षेपक है और हर क्षेपक आगे चलकर अपने अलग ही दोहे, सोरठे, छंद और चौपाइयां गढ़ता जाता है। आर्या को उसका भरोसेमंद पुलिस अफसर विदेश से वापस तो ले आया है लेकिन उसकी सारी कोशिशों पर पानी तब फिरता दिखता है जब आर्या अपना अलग ही रास्ता पकड़ने निकल पड़ती है। अपनों के खिलाफ पुलिस उसे इस्तेमाल करना चाह रही थी। और पहले से ही अपने खिलाफ हो चुके अपनों को बचाने के चक्कर में आर्या ने अब पुलिस को भी अपने खिलाफ कर लिया है। जान देने की कोशिश करने में किसी तरह बची अवसाद की शिकार बेटी और दोनों बेटों की ढाल बनने की कोशिश करती आर्या 'खून भरी मांग' की नायिका नहीं है। वह सीढ़ी दर सीढ़ी अपराध की दुनिया के इस तहखाने में उतरती है और आखिर में पता ये चलता है, 'कहानी अभी खत्म नहीं हुई है।' 'कहानी तो अब शुरू हुई है।'कोई पांच साल तक कैमरे से दूर रहने के बाद सुष्मिता सेन ने 'आर्या' के पहले सीजन में दमदार वापसी की। इस किरदार को लेकर सर्वश्रेष्ठ अभिनय के सात पुरस्कार जीतने की बात वह अपनी हर बातचीत में दोहराती हैं। अदाकारी सुष्मिता की रग रग में हैं। कटरीना कैफ की शादी की बात छिड़ते ही जिस अदा से वह सिर नीचे झुकाकर सवाल पूछने वाले को अपने आंखों की सच्चाई पढ़ने से रोकती हैं, वह उनकी निराली अदा है। असली कलाकार ऐसा ही होता है। वह हर वक्त अभिनय ही करता रहता है। कैमरा ऑन हो ना हो।

फाइनली टेक ऑफ

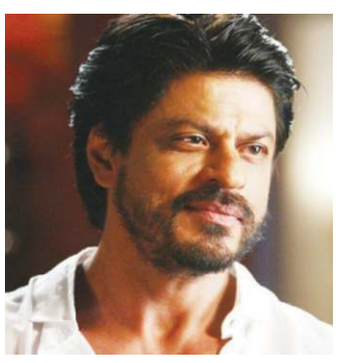

मुंबई,पिछले सवा दो महीनों से शाहरुख खान काफी बुरे दौर से गुजरे हैं। बेटे आर्यन खान के क्रूज ड्रग केस ने पूरे खान परिवार को सदमा दे रखा था, इस कारण शाहरुख को अपने शूटिंग-शेड्यूल वैâसिल करने पड़े थे। आर्यन की जमानत के बाद खबरें आ रही थीं कि वे जल्द ही शूटिंग शुरू करेंगे पर कोई तारीख तय नहीं हो पा रही थी। अब लगता है कि सब कुछ सामान्य हो रहा है और उनके अगले शेड्यूल की प्लानिंग पटरी पर आ गई है। सुनने में आ रहा है कि अगले १५ दिसंबर को शाहरुख की एक्टिंग वैâमरे के सामने टेक ऑफ करेगी। खबर है कि उनकी फिल्म 'पठान' की शूटिंग शुरू होनेवाली है। यह तो तय था कि ब्रेक के बाद इसी फिल्म से वे शूटिंग शुरू करेंगे, पर तारीख पर तारीख आती जा रही थी पर फाइनल तारीख नहीं आ रही थी। अब एक सूत्र का कहना है कि १५ दिसंबर की तारीख फाइनल है, बोले तो शूटिंग नक्की शुरू। चलिए अच्छा है, हम उम्मीद करते हैं कि अब कोई अगली तारीख नहीं मिलेगी और इस तारीख पर शूटिंग जरूर शुरू हो जाएगी...

तारा का पहला क्रश

मुंबई, अभिनेता रितिक रोशन की कातिल अदाएं न सिर्फ उनके पैंâस को बल्कि बॉलीवुड की नायिकाओं को भी खूब आकर्षित करती हैं। तारा इन दिनों अपनी नई फिल्म 'तड़प' को लेकर खबरों में हैं। हाल ही में प्रमोशन के दौरान एक सवाल पर तारा ने खुलासा किया कि उनका पहला क्रश रितिक रोशन थे। तारा कहती हैं, 'उनकी 'कहो न प्यार है' मेरी फेवरेट फिल्म है। मुझे उनके बारे में जो सबसे ज्यादा अच्छा लगता है कि वह अपने आप से डरते नहीं। अपने बारे में कुछ अलग नहीं दिखाते, जैसे हैं, वैसे दिखते हैं। वह बहुत हैंडसम हैं, कमाल के डांसर हैं, उम्र ने भी उनकी खूबसूरती को प्रभावित नहीं किया। वे काफी प्रतिभाशाली हैं और कई विविधतापूर्ण किरदार कर चुके हैं। उम्मीद करती हूं किसी दिन उनकी हीरोइन बनने का मौका मिलेगा।' अपने अगले प्रोजेक्ट के बारे में वे बताती हैं कि फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' जॉन अब्राहम और अर्जुन कपूर के साथ है। उसके बाद एक बहुत बड़ी अनाउंसमेंट है, जिसके बारे में अभी मैं कुछ कह नहीं सकती। मैं अर्जुन रामपाल, रणबीर कपूर, कार्तिक आर्यन, राजकुमार राव जैसे कई कलाकारों के साथ काम करना चाहती हूं। ओहो, बड़ी लंबी लिस्ट है...

सतत विकास एजेंडा-लोगों के लिए 17 लक्ष्य

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

सतत विकास: लक्ष्य गरीबी को समाप्त करने, ग्रह की रक्षा करने और हर जगह हर किसी के जीवन और संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए कार्रवाई के लिए एक सार्वभौमिक आह्वान है। 17 लक्ष्यों को 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य राज्यों द्वारा 2030 के सतत विकास एजेंडा के हिस्से के रूप में अपनाया गया था, जिसमें लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 15 साल की योजना निर्धारित की गई थी।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने समाज के सभी क्षेत्रों को तीन स्तरों पर एक दशक की कार्रवाई के लिए संगठित होने का आह्वान किया: अधिक नेतृत्व, अधिक संसाधन और सतत विकास लक्ष्यों के लिए बेहतर समाधान प्राप्त करने के लिए वैश्विक कार्रवाई; सरकारों, शहरों और स्थानीय प्राधिकरणों की नीतियों, बजट, संस्थानों और नियामक ढांचे में आवश्यक बदलाव को शामिल करने वाली स्थानीय कार्रवाई; जिसमें युवाओं, नागरिक समाज, मीडिया, निजी क्षेत्र, यूनियनों, शिक्षाविदों और अन्य हितधारकों द्वारा आवश्यक परिवर्तनों को आगे बढ़ाने के लिए एक अजेय आंदोलन उत्पन्न करना शामिल है। सिर्फ एक

दशक पहले की तुलना में दुनिया भर में अधिक लोग बेहतर जीवन जी रहे हैं। लेकिन असमानताएं और जलवायु परिवर्तन लाभ को पूर्ववत करने की धमकी दे रहे हैं। समावेशी और सतत अर्थव्यवस्थाओं में निवेश साझा समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है। और राजनीतिक, तकनीकी और वित्तीय समाधान पहुंच के भीतर हैं। यह आंदोलन गति पकड़ रहा है क्योंकि यह पहले ही अपने समग्र उद्देश्यों के अंतिम दशक में प्रवेश कर चुका है और अभी और हासिल किया जाना बाकी है। विभिन्न हितधारकों, नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं के बीच एक सक्रिय सहयोग को इकट्ठा करने और इसे प्राप्त करने के तरीके खोजने के लिए आना चाहिए। अधिक जानकारी के लिए www.un.org/sustainable Development पर लॉग ऑन करें।सभी वर्गों के छात्र संयुक्त राष्ट्र की वेबसाइट पर पंजीकरण और अनुसरण करके 17 एजेंडा को पूरा करने में भाग ले सकते हैं

बॉबी वत्स की अवार्ड विनिंग शार्ट फ़िल्म " नचिकेता " की मुम्बई में हुई स्पेशल स्क्रीनिंग

ऐक्ट्रेस आरती नागपाल, दिलीप सेन, अल्का भटनागर (अमेरिका) सहित कई फिल्मी हस्तियों ने फ़िल्म की खूब तारीफ की एक्टर, राईटर और डायरेक्टर बॉबी वत्स की अवार्ड विनिंग शार्ट फ़िल्म "नचिकेता" की एक स्पेशल स्क्रीनिंग मुम्बई के सनी सुपर साउंड में रखी गई तो यहां खुद बॉबी वत्स के अलावा ऐक्ट्रेस आरती नागपाल, संगीतकार दिलीप सेन, तृष्णा प्रितम, अल्का भटनागर (अमेरिका) सहित कई फिल्मी हस्तियां मेहमान के रूप में मौजूद थीं। सभी मेहमानों ने इस शार्ट फ़िल्म को पसन्द किया और बॉबी वत्स के काम की सराहना की।बॉबी वत्स ने बताया कि यह फ़िल्म फ्रीडम फाइटर्स के ऊपर है। एक ऐसे क्रांतिकारी की कहानी है, जो ब्रिटिश इंडिया में पकड़ा जाता है। देश जब आजाद होने वाला था, यह उस पीरियड की कहानी है, उस ज़माने में भारतीय लोगों की मानसिकता क्या थी। देशवासियों ने ब्रिटिश राज को

तोड़ दिया था। वह सारी चीजें इसमे दिखाई गई हैं।इस फ़िल्म को कई बड़े नेशनल और इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल्स में दिखाया जा चुका है जहां काफी तारीफ हासिल कर चुकी है। लंदन सहित कई फ़िल्म महोत्सवों में इसे अवार्ड से भी नवाजा गया।"ऐक्ट्रेस आरती नागपाल ने कहा कि आजादी की जंग के समय के भारतीय लोग कैसे थे, कल्चर कैसा था, स्वतंत्रता संग्राम में जो लोग शामिल हुए थे, उनका माइंडसेट क्या था, इन तमाम बातों को इस शार्ट फ़िल्म में बॉबी वत्स ने बखुबी दर्शाया है।"संगीतकार दिलीप सेन ने बताया कि फ़िल्म की कहानी, इसकी मेकिंग और एक्टर्स की अदाकारी भी मुझे खूब पसन्द आई। बॉबी वत्स ने इसकी कहानी लिखी है, निर्देशित की है और इसमे एक्टिंग भी की है।"आरती नागपाल, दिलीप सेन, अल्का भटनागर सहित यहां आए हुए तमाम गेस्ट्स ने इस पिक्चर की प्रशंसा की और बॉबी वत्स के इस प्रयास को सराहा।बॉबी वत्स के अपोज़िट अनाया सोनी ऐक्ट्रेस हैं। इसमे कुछ ब्रिटिश एक्टर्स ने भी अभिनय किया है जैसे सकॉट नॉक्स, गैरी इत्यादि। यह एक थ्रिलर सब्जेक्ट है। क्रिएटिव कर्मा (Kreative Karma) के बैनर तले बनी फिल्म नचिकेता को देखने वालों ने खूब पसन्द किया है।बॉबी वत्स ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैंने गोवा फ़िल्म महोत्सव सहित दुनिया भर के बेशुमार फ़िल्म फेस्टिवल्स अटेंड किए हैं, उसी से सिनेमा को और करीब से समझा है, सीखा है। इंटरनेशनल फिल्में खूब देखी हैं, अंतरराष्ट्रीय सतह के फ़िल्म मेकर्स को देखा है, मिला हूँ, उन तमाम अनुभवों से बहुत फर्क पड़ता है।फ़िल्म के कांसेप्ट को लेकर बॉबी वत्स ने कहा कि आजादी के मतवाले अपनी धुन के इतने पक्के थे, कि उन्हें अपनी जान की परवाह भी नही थी और उन्होंने आखिरकार अंग्रेजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। सामाजिक दृष्टिकोण से यह फ़िल्म दर्शकों को कहीं न कहीं छुएगी। इसे आप एक इमोशनल ड्रामा भी कह सकते हैं क्योंकि यह एक क्रांतिकारी की कहानी है, जिसमे तगड़े इमोशंस देखने को मिलते हैं। हिन्दुस्तानियों के पैशन उनके जज़्बे उनके जुनून को दर्शाती है यह फ़िल्म और देशभक्ति की भावना भी जगाती है।"बॉबी वत्स निकट भविष्य में फीचर फिल्म बनाने का इरादा रखते हैं। इस शार्ट फ़िल्म के ट्रायल शो के पीआर की जिम्मेदारी मुंडे मीडिया ने बखूबी निभाई।

होटल के मालिक विपुल क्षीरसागर वजह से होटल भाड़ोत्री पंकज वर्मा के भूखे मरने की नौबत

भायंदर (वेस्ट) के'कैफे सागा' होटल के मालिक की वजह से होटल भाड़े पर लेनेवाले पंकज वर्मा के भूखे मरने की नौबत

मुंबई /भायंदर : भायंदर (वेस्ट) के बोरने वाडी उत्तन में विपुल मुरलीधर क्षीरसागर नमक नामक व्यक्ति ने अपना होटल 'मानसी उपहार गृह' (कैफे सागा) को 8 नवंबर 2020 को पंकज मुन्नालाल वर्मा को तीन साल के लिए 15 लाख डिपॉज़िट व सवा लाख भाड़े पर दिया। जिसमे से 10 मालिक लाख डिपॉज़िट पहले देना था और बाकी बाद में देना था। भाड़ोत्री ने किसी तरह ले देकर 10 लाख डिपॉज़िट देकर होटल लिया और लाखों लगाकर होटल शुरू किया और अप्रैल 2021 तक का भाड़ा दिया और उसके बाद दुर्भाग्यवश करोना का लॉक डाउन लग गया और होटल बंद कर दिया। और मालिक से बात किया कि आपको बंद समय में केवल आधा भाड़ा ही दे पाउँगा या आप डिपॉज़िट वापस कर दे। इसपर होटल के मालिक विपुल को डिपॉज़िट ना लौटना पड़े आधे भाड़े में मान गए। इसके बाद लॉक डाउन में पंकज बाहर गांव चले गए। उनके जाने के बाद साइक्लोन आने के वजह से होटल को नुकसान हुवा जबकि उस समय होटल विपुल क्षीरसागर इनके कब्जे में था। जब गांव से आने के बाद पंकज वर्मा होटल गए तो कैफे सागा' होटल के मालिक विपुल क्षीरसागर ने उन्हें अंदर जाने से मना कर दिया और धमकी देते हुए कहा की मेरी पत्नी आदिवासी है, यहाँ आओगे तो किसी केस में फंसा दूंगा। इसके बाद भाड़ोत्री पंकज वर्मा ने अपने वकील हरीश पी भंडारी से नोटिस भेजा कि मेरा 10 लाख डिपॉज़िट वापस करो या तीन साल का लिव एंड लायसेंस के एग्रीमेंट के तहत होटेल मुझे फिर से चलाने की अनुमति दो और लॉक डाउन के महीने का आधा भाड़ा देता हूँ। लेकिन होटल के मालिक विपुल अपने वकील मुकेश एन राठौड़ से नोटिस का जवाब भेजा कि 30 नवंबर २०२१ तक साढ़े ग्यारह लाख भाड़ा दे, साथ में इलेक्ट्रिक बिल व वॉचमैन की पगार,और लीगल फीस बीबीएमसी और जब होटल बंद था तो साइक्लोन आने की वजह से होटल का नुक्सान सात लाख भाड़ोत्री दे जबकि होटल बनाने का पूरा खर्चा भाड़ोत्री पंकज ने किया था और जबकि साइक्लोन जब आया था होटल बंद था और वो विपुल क्षीरसागर के कब्जे में ही था। कुल खर्च लगभग 20 लाख होता है, जिसमें से भाड़ोत्री का डिपोसिट काट के लगभग 10 लाख भाड़ोत्री पंकज वर्मा 'कैफे सागा' होटल के मालिक विपुल मुरलीधर क्षीरसागर को दे, ऐसा नोटिस का जवाब भेजा है। जिसके कारण भाड़ोत्री पंकज बहुत आहत हुए और उनकी तबियत ख़राब हो गयी, उनके परिवार और उनके भूखे मरने की नौबत आ गयी है। अब हारकर बड़ी मुश्किल से लोगों से उधार लेकर मुंबई हाईकोर्ट में केस दर्ज करने जा रहे है। सचमुच करोना की वजह से और कुछ लोगों में इंसानियत ना होने की वजह से कितने परिवार तबाह हुए उसका हिसाब लगाना मुश्किल है? कोई नहीं सोचता है कि यह तकलीफ कभी भी किसी पर आ सकती है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 247 करोड़ की ड्रग्स पकड़ी

मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट (AIU) और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) के हाथ एक बड़ी सफलता लगी है। AIU और DRI की जॉइंट टीम ने एक पुख्ता सूचना के आधार पर लगभग 247 करोड़ रुपये मूल्य की 35 किलोग्राम हेरोइन की खेप पकड़ी है। इतनी भारी मात्रा में ड्रग्स लेकर जिम्बाब्वे का एक कपल विमान से आया था, जिन्हें अरेस्ट कर लिया गया है। गिरफ्तार कपल में एक 46 साल की महिला और एक 27 साल का पुरुष है, दोनों ही जिम्बाब्वे के नागरिक हैं।

जांच के दौरान पूछताछ में दोनों ने बताया है कि वे दोनों जिम्बाब्वे के हरारे शहर से मुंबई के लिए चले थे। रास्ते में उन्हें एडिस अबाबा में हेरोइन का कंसाइनमेंट दिया गया था, जिसे उन्हें मुंबई पहुंचाना था। लेकिन मुंबई एयरपोर्ट पर विमान उतरने के बाद दोनों को DRI और AIU की जॉइंट टीम ने अरेस्ट कर लिया। इस बात की जांच की जा रही है कि ड्रग्स की इतनी बड़ी खेप की मुंबई में किसे डिलीवरी लेनी थी। क्रूज केस में एक और आरोपी ने दायर की जमानत अर्जी ड्रग्स क्रूज केस में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा गिरफ्तार एक आरोपी ने विशेष एनडीपीएस अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की है। मामले में गिरफ्तार किए गए 20 लोगों में से बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन समेत 18 आरोपी फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

दधिमथी धाम के संकल्प से डीपीएल समापन

मुंबई।दधिमथी माता धाम मुंबई के आस- पास बनाने की संकल्प के साथ शुरू की गई डीपीएल क्रिकेट टूर्नामेंट का सफल आयोजन संपन्न हुआ। इस टूर्ना मेंट की मदद से दाधीच समाज के ५२ वें वर्ष में युवाओं के विकास , उत्थान उनकी प्रतिभा को निखारने के सुनहरे अवसर के साथ समाज की धार्मिक संकल्पना को भी शक्ति मिली है।ठाणे के भिवंडी स्थित चैलेंज स्टेडियम में २ दिन तक चलने वाले डीपीएल टूर्नामेंट का सफलपूर्वक समापन हुआ।टूर्नामेंट का आयोजन का मकसद ही दधिमथी धाम का निर्माण है। डीपीएल २०२१ के फाइनल में विजेता इचलकरंजी टीम रही। यह जानकारी अंजनी कुमार दाधीच ने दिया।

खत्म हुआ किसान आंदोलन, अब है रास्तें खुलने का इंतजार

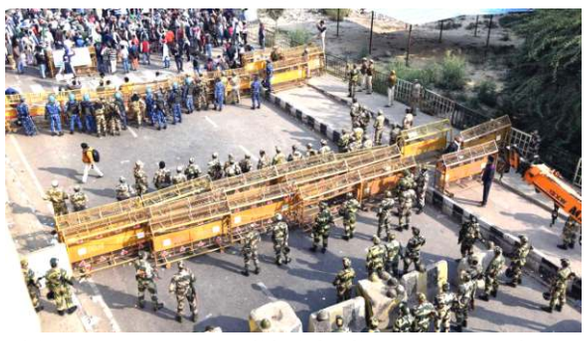

नई दिल्ली। तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में 378 दिन तक चलने वाला किसान आंदोलन आखिरकार खत्म करने का फैसला ले लिया गया है। केंद्र सरकार की तरफ से गुरुवार को एक आधिकारिक पत्र मिलने के बाद किसानों की तरफ से इस बात का ऐलान किया गया। अब किसानों ने बॉर्डरो और नेशनल हाइवे को खाली करना शुरु कर दिया है। धीरे-धीरे टेंट हटाते हुए किसानों की और अन्य लोगों की तस्वीरें सामने आने लगी है। किसान आंदोलन का सबसे मुख्य केंद्र रहा है सिंघू बॉर्डर। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो, यहां से सारे टेंट हटा लिए गए है। फिलहाल देश हुई सीडीएस बिपिन रावत और उनकी पत्नी समेत 13 जवानों के निधन से गहरा झटका लगा है, जिनके अंतिम संस्कार को ध्यान में रखते हुए किसानों ने अपनी जीत के जश्न को 1 दिन के लिए टालने का फैसला किया है। कब से खुलेंगे बॉर्डर बता दें कि, किसान 11 दिसंबर से धीरे-धीरे सभी टोल प्लाजा और बॉर्डर को छोड़कर अपने घर के लिए रवाना होने लगेंगे। इस दौरान जीत का मार्च भी निकाला जाएगा और 15 दिसंबर तक सभी टोल प्लाजा खाली कर दिए जाएंगे। संयुक्त किसान मोर्चा के बयान पर ध्यान दिया जाए तो,उन्होंने कहा था कि," 378 दिन से चल रहा हमारा किसान आंदोलन अब हम स्थगित कर रहे है। हम सभी 15 दिसंबर को एक मीटिंग करेंगे। अगर, केंद्र सरकार हमारी मांगे नहीं मानेगी तो, हम दोबारा अपना आंदोलन शुरु कर सकते है।

- *सिंघू, टिकरी और यूपी गेट से किसानों ने अपने टेंट निकालना शुरु कर दिया है।*
- *केंद्र सरकार की तरफ से आधिकारिक पत्र मिलने के बाद सभी किसानों ने एक साथ 'किसान एकता जिंदाबाद' के नारे लगाए।*
- *सभी टोल प्लाजा 15 दिसंबर तक खाली हो जाएंगे।*
- *दिल्ली पुलिस का दावा है कि,गाजीपुर और टिकरी बॉर्डर से बैरिकेड हटाने में 2 घंटे का समय लगेगा।*
- *लेकिन, सिंघू बॉर्डर से बैरिकेड 2 दिन में हटेंगे।*

मेडिकल भर्ती परीक्षा पेपर लीक-अधिकारी गिरफ्तार

मुंबई। भर्ती परीक्षा से पहले स्वास्थ्य विभाग का प्रश्नपत्र लीक होने के तार सीधे अधिकारियों से जुड़े मिलें हैं। मामले में पुणे पुलिस की साइबर सेल ने स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ महेश बोटले को गिरफ्तार किया है। पुलिस को शक है कि बोटले ने ही यह पेपर लीक किया था। बोटले को पुणे पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया। इस मामले में अब तक कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

शुरूआत में मामले में अकादमी चलाने वाले और एजेंट पकड़े गए थे लेकिन बाद में लातूर के स्वास्थ्य विभाग के मुख्य प्रबंधन अधिकारी प्रशांत बडगिरे, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के उपनिदेशक प्रकाश मिसल पर शिकंजा कसा। उसने पूछताछ में बोटले का नाम सामने आया। दरअसल प्रश्नपत्र तैयार करने के लिए जो समिति बनाई गई थी उसमें बोटले भी शामिल थे और प्रश्नपत्र लीक करने में उनकी भूमिका है। बता दें कि 31 अक्टूबर को स्वास्थ्य विभाग के तृतीय और चतुर्थ वर्ग के खाली पदों के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित की गई थी लेकिन परीक्षा के कुछ मिनट पहले ही पेपर कई लोगों को ह्वाट्सएप पर मिल गए।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2022-आम आदमी पार्टी ने 30 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान

लुधियाना। आगामी साल में होने जा रहे पांच राज्य चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मिया तेज है। पांच राज्यों में पंजाब राज्य भी शामिल है जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले है। इसी बीच पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने शुक्रवार को अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी। हालांकि आप आदमी पार्टी ने 30 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। पंजाब में विधानसभा सीट की कुल 117 सीट है।

कादियां विधानसभा सीट से जगरूप सिंह शेखावन, बटाला से शेरी कलसी, फतेहगढ़ चूरियां से बलबीर सिंह पन्नू, अमृतसर नॉर्थ से कुंवर विजय प्रताप, अमृतसर साउथ से डॉक्टर इन्द्रबीर सिंह निज्जर, पट्टी से लालजीत सिंह भुल्लर, करतारपुर (एससी) से डीसीपी बलकार सिंह, शाम चौरासी (एससी) से डॉक्टर रावजोत सिंह, नवां शहर से ललित मोहन बल्लू पाठक, खरार से अनमोल गगन मान और लुधियाना ईस्ट से दलजात सिंह भोला ग्रेवाल को उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही पठानकोट विधानसभा सीट पर विभूति शर्मा, गुरदासपुर से रमन बहेल, दिना नगर (एससी) से शमशेर सिंह को प्रत्याशी बनाया गया है।

आम आदमी पार्टी ने राजपुरा से नीना मित्तल, सिनौर से हरमीत सिंह पठानमाजरा, समाना से चेतन सिंह जोरमाजरा, लुधियाना नॉर्थ से मदन लाल बग्गा, गिल (एससी) से जीवन सिंग संगोवाल, लांबी से गुरमीत सिंह खुदियां, गन्नौर से गुरलाल घनौर, भादौर (एससी) से लाभ सिंह उग्योक, भोआ (एससी) से लालचंद कटरुचक ,आतम नगर से कुलवंत सिंह सिद्धू, पायल (एससी) से मानविंदर सिंह ज्ञासपुरा, जीरा से नरेश कटारिया, श्रीमुक्तसर साहिब से जगदीप सिंह काका बरार, फरीदकोट से गुरदित सिंह शेखां, रामपुरा फुल से बलकार सिंह सिद्धू, और जंदियाला (एससी) से हरभजन सिंह को अगले साल होने जा रहे चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। शिरोमणि अकाली दल के बाद आम आदमी ऐसी पार्टी है जिसने उम्मीदवारों के ऐलान की घोषणा की है।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।